दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 324/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 — संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल — आर.एन.आई 22296/71 — डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 09 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित — dainiksandhyaprakash.in

सुविचार
लोग तो कहने वाले कुछ भी कह जायेगे कल आपकी बुराई करने वाले आज तारीफ़ भी कर देगें।

मोदी नामीबिया पहुंचे, एयरपोर्ट पर पारंपरिक नृत्य से स्वागत

पीएम ने साथ में ढोल बजाया, 27 साल बाद यहां जाने वाले भारतीय

विंडहोक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीका के देश नामीबिया पहुंच गए हैं। यह 27 सालों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का नामीबिया दौरा है। राजधानी विंडहोक के एयरपोर्ट पर लैंड होने के बाद उनका पारंपरिक नृत्य के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान पीएम ने कलाकारों के साथ में ढोल भी बजाया। पीएम मोदी से पहले 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी नामीबिया गए थे। इससे पहले 1990 में उस वक्त पीएम रहे वीपी सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी सहित कई हाई रैंक लीडर नामीबिया के स्वतंत्रता दिवस पर वहां गए थे।

राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी नदैतवा से मिलेंगे मोदी

मोदी यहां राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवा से मिलेंगे। दोनों देशों के बीच डायमंड बिजनेस, जरूरी खनिजों और यूरेनियम सप्लाई पर चर्चा की संभावना है। इसके अलावा मोदी नामीबिया की संसद को भी संबोधित करेंगे। मोदी का नामीबिया दौरा 2 जुलाई से 10 जुलाई तक 5 देशों की यात्रा का हिस्सा है, जिसमें घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया शामिल हैं। नामीबिया हीरा, यूरेनियम, तांबा, फॉस्फेट और अन्य खनिजों से समृद्ध देश है।

वंदे मातरम गायन के साथ कैबिनेट बैठक में बड़े फैसले

बिजली विभाग में 49 हजार पदों पर भर्ती

• 35 लाख किसानों के 84.17 करोड़ रुपए के ब्याज और दंड राशि को माफ किया जाएगा

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों और बिजली वितरण कंपनियों के लिए दो महत्वपूर्ण योजनाओं को मंजूरी दी है। इन योजनाओं का उद्देश्य राज्य की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना, किसानों को कर्ज के बोझ से मुक्त करना और बिजली वितरण के क्षेत्र में सुधार करना है। बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक के बाद उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने ये जानकारी दी है।

किसानों के लिए समझौता योजना- मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों के लिए एक एकमुश्त समझौता योजना को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत 35 लाख किसानों के 84.17 करोड़ रुपए के ब्याज और दंड राशि को माफ किया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप, किसानों को केवल अपनी मूल राशि चुकानी होगी, और सरकार इस राशि को वहन करेगी। किसानों को मार्च 2026 तक यह भुगतान करने का समय दिया जाएगा।

योजना के लाभ- यह योजना किसानों के लिए बहुत फायदेमंद है, क्योंकि इससे उन्हें कर्ज के बोझ से छुटकारा मिलेगा और वे नए कृषि ऋण के लिए पात्र बन सकेंगे। इस योजना का उद्देश्य किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारना और कृषि उत्पादन बढ़ाना है, जिससे राज्य की कृषि क्षेत्र को नई दिशा मिल सके।

फैसले- 10 जुलाई को निशाद राज सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। 12 जुलाई को लाड़ली बहना योजना के पैसे ट्रांसफर करेंगे सीएम। भारतीय स्टांप अधिनियम में संशोधन किया गया, जिससे 212 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त होगा। होटल लेक व्यू को पीपीपी मोड पर बनाया जाएगा, और इसका पंजीयन एवं मुद्रांक शुल्क सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

अन्य महत्वपूर्ण निर्णय

होटल लेक व्यू रेसिडेंसी का पुनर्विकास- राजधानी भोपाल में स्थित होटल लेक व्यू रेसिडेंसी को डिजाइन, निर्माण, संचालन और हस्तांतरण के आधार पर पीपीपी मोड में सौंपने का फैसला लिया गया है। इससे न केवल होटल का पुनर्विकास होगा, बल्कि राज्य को पर्यटन क्षेत्र में भी लाभ मिलेगा।

आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थापना- महिला और बाल विकास विभाग के अंतर्गत 66 नए आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थापना को मंजूरी दी गई है। इन केंद्रों का उद्देश्य बच्चों और महिलाओं के लिए शिक्षा और पोषण की बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है। इन केंद्रों के निर्माण और संचालन के लिए आवश्यक बजट को भी मंजूरी दी गई है।

मूंग के उपार्जन को बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे - उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने जानकारी दी कि राज्य सरकार मूंग के कुल उपार्जन में 40 प्रतिशत की वृद्धि करने के लिए केंद्र सरकार को एक पत्र लिखेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मंत्रालय में मंत्रि-परिषद् की बैठक के पहले नगरीय प्रशासन एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने पौधा भेंटकर सम्मान किया।

सांध्यप्रकाश विशेष

राजस्थान में जगुआर फाइटर जेट क्रैश: 2 लोगों की मौत, चूरू के गांव में मलबा बिखरा, शव के टुकड़े मिले

चूरू। राजस्थान के चूरू में भारतीय वायु सेना का फाइटर जेट क्रैश हो गया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक यह जगुआर फाइटर जेट है। इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई है। मौके पर फाइटर जेट जैसा मलबा बिखरा पड़ा है। चूरू एसपी जय यादव ने बताया कि राजलदेसर थाना क्षेत्र के गांव भाणूदा में प्लेन क्रैश हुआ है। इसमें दो लोगों की मौत हुई है। मौके पर राजलदेसर पुलिस को भेजा गया हैं। मलबे के पास से बुरी तरह क्षत-विक्षत शव के टुकड़े मिले हैं।

इंडिगो की फ्लाइट से पक्षी टकराया पायलट ने करवाई सुरक्षित लैंडिंग

पटना। पटना एयरपोर्ट से बुधवार की सुबह दिल्ली के लिए रवाना हुई इंडिगो की फ्लाइट (जिसमें 175 यात्री सवार थे) टेक-ऑफ के कुछ ही मिनट बाद लौट आई। उड़ान भरते समय विमान के एक इंजन में पक्षी टकरा गया, जिससे तकनीकी खराबी आ गई। पायलट ने तुरंत सतर्कता

दिखाते हुए फ्लाइट को पटना एयरपोर्ट पर सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग करा दी। सभी यात्रियों को सुरक्षित एयरपोर्ट टर्मिनल में भेज दिया गया और किसी को कोई चोट नहीं आई। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक, पायलट की सूझबूझ और त्वरित निर्णय से एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद इंडिगो की टेक्निकल टीम ने विमान की जांच शुरू कर दी है। यात्रियों को असुविधा न हो, इसके लिए एयरलाइन ने वैकल्पिक फ्लाइट की व्यवस्था करने की बात कही है। बर्ड हिट की घटनाएं आम हैं, लेकिन इस बार पायलट की त्वरित प्रतिक्रिया ने सभी यात्रियों की जान बचा ली। यात्रियों ने राहत की सांस ली और एयरपोर्ट प्रशासन ने सभी जरूरी मेडिकल और अन्य सुविधाएं मुहैया कराईं। फिलहाल छत्रष्ट और एयरपोर्ट अथॉरिटी ने मामले की जांच शुरू कर दी है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

चीन और पाकिस्तान की दोस्ती, भारत के लिए बन सकती है खतरा: सीडीएस

नई दिल्ली। सीडीएस अनिल चौहान ने कहा है कि चीन और पाकिस्तान की दोस्ती भारत के लिए खतरा बन सकती है। चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के अपने-अपने हितों को लेकर एक-दूसरे के प्रति झुकाव का

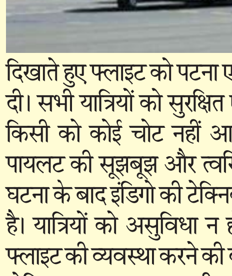

भारत की स्थिरता और सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने एक थिंक टैंक में अपने संबोधन में जनरल चौहान ने भारत पाकिस्तान के बीच 7-10 मई के सैन्य संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि शायद यह पहली बार हुआ जब दो परमाणु हथियार संपन्न देश सीधे तौर पर संघर्ष में शामिल हुए। सीडीएस से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन की भूमिका पर भी सवाल पूछा गया। उन्होंने कहा, वहां कितना समर्थन (चीन ने पाकिस्तान को दिया) यह पता लगाना बहुत मुश्किल है। इस संघर्ष के दौरान उत्तरी सीमाओं पर कोई भी असमान्य गतिविधि नहीं हुई, जो अलग है। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने चीन और पाकिस्तान के भारत के प्रति समान हित का जिक्र करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने पिछले पांच वर्षों में अपने लगभग 70 से 80 प्रतिशत हथियार और उपकरण चीन से हासिल किए हैं।

एमपी के 40 हजार बैंककर्मी आज हड़ताल पर

केरल में बंद से जनजीवन ठप, बंगाल में झड़प, तमिलनाडु में असर नहीं

नई दिल्ली एजेंसी। देश की 10 बड़ी ट्रेड यूनियनों और किसान संगठनों ने मिलकर आज भारत बंद बुलाया है। इस बंद के कारण बैंक से लेकर परिवहन समेत कई सेवाएं बाधित रही। इस बंद का देश के कुछ हिस्सों में व्यापक तो कई हिस्सों में कम प्रभाव देखा गया। जहां केरल पूर्णतः बंद रहा तो तमिलनाडु का इसका कोई असर नहीं दिखाई दिया। बंगाल सहित कई क्षेत्रों में पुलिस और बंद समर्थकों के बीच झड़प की भी खबर है।

यूनियनों के कार्यकर्ता और पुलिस के बीच बहस: भारत बंद रैली के बीच वामपंथी दलों के यूनियनों के कार्यकर्ताओं और कोलकाता पुलिस के बीच जुबानी जंग छिड़ गई। 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने भारत बंद का आह्वान किया है और आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार ऐसे आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ा रही है जो श्रमिकों के अधिकारों को कमजोर करते हैं। कोलकाता में भारत बंद रैली के बीच, एक बस को रास्ता देने के लिए सड़क जाम कर रहे वामपंथी दलों के यूनियनों के कार्यकर्ताओं को कोलकाता पुलिस हटाती हुई। 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने भारत बंद का आह्वान किया है और आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार ऐसे आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ा रही है जो श्रमिकों के अधिकारों को कमजोर करते हैं।

तमिलनाडु में नहीं दिखा भारत बंद का असर: तमिलनाडु के तिरुप्पुर ट्रेड यूनियन हड़ताल से अप्रभावित रहा; जिले भर में 540 बसें सामान्य रूप से चल रही हैं।भारत बंद का असर कोयंबटूर में केरल जाने वाली बसें रोकी गईं; उक्कदम बस स्टैंड सुनसान रहा।

साढ़े 8 हजार शाखाओं में कामकाज पर असर

ध्यप्रदेश के करीब 40 हजार बैंककर्मी बुधवार को हड़ताल पर हैं। वे अपनी 17 सूत्रीय मांगों के समर्थन में हड़ताल कर रहे हैं। इससे प्रदेश की करीब साढ़े 8 हजार शाखाओं में कामकाज पर असर पड़ रहा है।

ऑल इंडिया बैंक एम्पलाइज एसोसिएशन, ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन एवं बैंक एम्पलाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया ने केंद्रीय श्रमिक संगठनों की मांगों का समर्थन करते हुए बैंकिंग उद्योग एवं बैंककर्मियों की मांगों को लेकर अखिल भारतीय बैंक हड़ताल का आह्वान किया है। जन एवं श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ और बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों की मांगों को लेकर यह हड़ताल है। भोपाल में गर्वमेंट प्रेस के पास बैंककर्मी एकजुट होकर मांगों के निराकरण की मांग कर रहे हैं। इस दौरान कर्मचारी नेताओं ने बैंककर्मियों को संबोधित भी किया।

रांची में सीएमपीडीआई मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन

झारखंड में अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रव्यापी भारत बंद के दौरान रांची में सीएमपीडीआई मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं पश्चिम बंगाल के मिदनापुर सेंट्रल बस स्टैंड से वाहनों की आवाजाही रोकने की कोशिश कर रहे वामपंथी ट्रेड यूनियन कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। केंद्रीय और क्षेत्रीय ट्रेड यूनियनों से जुड़े 25 करोड़ से ज्यादा कर्मचारियों ने नए श्रम संहिताओं और निजीकरण के विरोध में, और 26,000 रुपये का न्यूनतम वेतन और पुरानी पेंशन योजना जैसी मांगों को लेकर देश भर में हड़ताल पर जाने की घोषणा की है।

गुजरात में पुल टूटा, चलती गाड़ियां नदी में गिरीं

9 लोगों की मौत, 8 को बचाया, मध्य गुजरात का सौराष्ट्र से संपर्क टूटा

वडोदरा एजेंसी। गुजरात के वडोदरा में महिसागर नदी पर बना ब्रिज मंगलवार सुबह टूट गया। हादसे के समय ब्रिज से गाड़ियां गुजर रही थीं। पुल टूटने पर दो ट्रक, दो कार और एक रिक्शा कुल पांच गाड़ियां नदी में गिर गईं। एक टेंकर टूटे सिरे पर फंस गया। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 को स्थानीय लोगों ने बचाया। फायर ब्रिगेड की तीन टीमें रेस्क्यू के लिए भेजी गई हैं। 45 साल पुराना यह ब्रिज मध्य गुजरात को सौराष्ट्र को जोड़ता था। पुल टूट जाने से भरूच, सूरत, नवसारी, तापी और वलसाड जैसे दक्षिण गुजरात के शहरों से सौराष्ट्र पहुंचने में ज्यादा समय लगेगा। अब इसके लिए अहमदाबाद होते हुए लंबा रास्ता लेना पड़ेगा। हादसे की सूचना मिलते ही

स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, बुधवार की सुबह वडोदरा में वडोदरा और आणंद जिलों को जोड़ने वाला गंभीरा पुल का एक हिस्सा गिर गया जिसके चलते कम से कम चार वाहन नदी में जाकर गिर गए। जिसमें दो ट्रक और दो वैन शामिल हैं। पडरा थाने के पुलिस इंस्पेक्टर विजय चरण ने बताया कि चार लोगों को इस मामले में सुरक्षित बचा लिया गया है और आगे के लिए राहत बचाव कार्य जारी है।

रेस्क्यू में प्रशासन से कोई मदद नहीं मिली

हादसे के बाद तुरंत ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और लोगों को रेस्क्यू किया। एक स्थानीय युवक ने बताया, ÷हम सुबह से ही बचाव अभियान चला रहे हैं। अब तक 9 शव बरामद हुए हैं, जिनमें से एक बच्चा है और एक बच्चा लापता है। इस दौरान हमें प्रशासन और अधिकारियों से कोई मदद नहीं मिली है।

गुरुपूर्णिमा महोत्सव 50 हजार श्रद्धालु दादा दरबार पहुंचे

खंडवा। खंडवा में दादा धूनीवाले मंदिर में गुरुपूर्णिमा महोत्सव की शुरुआत भक्तिभाव के साथ हुई। बुधवार दोपहर 2 बजे तक 50 हजार श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारु है। फिलहाल स्थानीय और आसपास के श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, जबकि देर रात मशाल जुलूस और पांढुर्णा का जत्था मंदिर पहुंचेगा। अभी श्रद्धालुओं को मेन गेट से प्रवेश दिया जा रहा है, लेकिन भीड़ बढ़ने पर 6 नंबर गेट से एंट्री शुरू की जाएगी।

बिहार बंद: वोटर वेरीफिकेशन के विरोध में रोकी ट्रेनें

पटना एजेंसी। विपक्ष ने चुनाव आयोग के मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के विरोध में बिहार बंद की घोषणा की है। विपक्ष पार्टियों को इमारत-ए-शरिया और सांसद पप्पू यादव ने भी अपना समर्थन दिया है। चक्काजाम का असर पूरे बिहार में देखा जा रहा है।

बिहार के गरीबों के हक छीनने की कोशिश की जा रही: इंडिया गठबंधन के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एनडीए सरकार और चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप लगाया। कहा कि जैसे महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया, वैसे ही बिहार के चुनाव को चोरी करने की कोशिश हो रही है। बिहार के गरीबों के हक छीनने की कोशिश की जा रही है। लेकिन, हमलोग ऐसा नहीं होने देंगे।

पटना पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोका: इंडिया गठबंधन के नेता और कार्यकर्ता विधानसभा मोड़ तक पहुंच चुके हैं। वह चुनाव आयोग के दफ्तर जाना चाह रहे हैं। राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, दीपांकर भट्टाचार्य, मुकेश सहनी एक रथ पर सवार होकर आगे बढ़ रहे हैं। लेकिन, पटना पुलिस टीम ने इन्हें रोक दिया। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी है। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमलोग लोकतंत्र का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। एनडीए सरकार हमलोगों को रोकने की कोशिश कर रही है लेकिन हमलोग रुकने वाले नहीं है।

अयोध्या में घर, वाराणसी में घाट डूबे: प्रयागराज में 4 मौतें, उत्तराखंड में बादल फटा

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। यूपी में बुधवार को भारी बारिश जारी है। अयोध्या में घरों में पानी भर गया है। प्रयागराज में बारिश के पानी में डूबने से 4 बच्चों की मौत हो गई। वाराणसी में दशाश्वमेध घाट और अस्सी घाट तक पानी पहुंच गया है। इसके चलते गंगा आरती का स्थान बदला गया है।

मध्य प्रदेश में नर्मदा उफान पर है। मंडला, डिंडौरी, श्योपुर, शहडोल, उमरिया जिले बाढ़ की चपेट में हैं। छतरपुर के बान सुजारा डैम के 12 गेट खोले गए, दमोह में सतधरू-साजली बांध के 3-3 गेट खोले गए। वहीं, जबलपुर में बरगी डैम के 17 गेट खोले गए हैं। महाराष्ट्र के नागपुर में लगातार हो रही तेज बारिश के चलते न्यू नरसाला इलाके में घर और गाड़ियां पानी में डूब गई।

उत्तराखंड में मानसून जमकर बरस रहा है। मंगलवार को चमोली जिले के नंदप्रयाग घाट के पास मुख गांव में बादल फटने से तबाही मच गई। स्ष्ठक्रस्न ने बताया कि जनहानि की सूचना नहीं है। सर्च जारी है। अगले चार दिन राज्य के पांच जिलों में भारी बारिश की संभावना है।

छत्तीसगढ़ के दुर्ग में भारी बारिश से कई इलाके जलमग्न- छत्तीसगढ़े के दुर्ग जिले में लगातार हो रही भारी बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। कई घर, ऑफिस और अंडरपास पानी में डूब गए हैं। शिवनाथ नदी और महामरा एनीकट का पानी भी ओवरफ्लो हो गया है। भिलाई नगर निगम की टीमें पानी निकासी का काम कर रही हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर चले जाएं।

मप्र के नरसिंहपुर में नदी से डूबे तीन बच्चे, एक का शव मिला- मप्र के नरसिंहपुर में तीन बच्चों के नदी में डूबने की आशंका है। इनमें से एक का शव मिला है, दो की तलाश जारी है। मामला विपतपुरा गांव का है। तीनों मंगलवार शाम सींगरी नदी के पास डैम देखने गए थे। स्टेशनगंज थाना प्रभारी रत्नाकर हिंगवे ने बताया- तीनों बच्चे शाम साढ़े पांच बजे घर से निकले थे।

।। समय पर निर्णय लें ।।

सही समय पर सही निर्णय नहीं ले पाना भी किसी व्यक्ति के असफल होने का एक प्रमुख कारण होता है। आपके निर्णय सही हों पर इससे महत्वपूर्ण एक बात ये भी है कि उस निर्णय लेने का समय भी सही होना चाहिए। व्यक्ति स्वयं अनिर्णय की स्थिति में रहकर अपना अहित कर बैठता है। स्वयं के ऊपर एक क्षण के लिए भी नकारात्मकता को हावी न होने दें। अनिर्णय की स्थिति में फँसे व्यक्ति की स्थिति बीच मझधार में फँसे उस नाविक के ही समान हो जाती है, जिसका बहुत समय उचित और अनुचित मार्ग के निर्धारण में ही निकल जाता है। अनिर्णय की स्थिति ही अनुचित मार्ग पर भटकाव एवं असफलता का कारण बनती है। जीवन में सफल होने के लिए तीन बातें अति आवश्यक हैं, सही फैसले लें, साहसी फैसले लें और सही समय पर फैसले लें। आज का दिन शुभ मंगलमय हो।

पेसा कानून जनजातीय समाज की स्वतंत्रता और जीवन मूल्यों की रक्षा का माध्यमः मंत्री पटेल

नवीन जनपद सीईओ के पेसा कानून के क्रियान्वयन के संबंध में प्रशिक्षण का आयोजन

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि नवीन नियुक्त जनपद सीईओ की प्रथम पोस्टिंग ट्राइबल ब्लॉक में की जा रही है। ट्राइबल ब्लॉको में पेसा मोबिलाइजरो के साथ कार्य कर प्रशिक्षु अधिकारियों को जमीनी स्तर पर पेसा कानून के क्रियान्वयन की जानकारी मिलेगी।

उन्होंने कहा कि पेसा कानून के क्रियान्वयन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ ही जनजाति कार्य विभाग की भी बड़ी भूमिका है। उन्होंने पेसा कानून को जनजातीय समाज की स्वतंत्रता और जीवन मूल्यों की रक्षा का माध्यम बताया। मंत्री श्री पटेल मंगलवार को मध्य प्रदेश जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान (वाल्मी) भोपाल में पेसा कानून पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री पटेल ने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि शासकीय सेवा को व्यक्तिगत लाभ न मानते हुए, समाज और संस्था की प्रतिष्ठा का माध्यम बनना चाहिए। मंत्री श्री पटेल ने बताया कि पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने के लिए प्रदेश के विभिन्न पंचायत में 1400 से अधिक नवीन ग्राम पंचायत भवन स्वीकृत कराए गए। उन्होंने कहा कि पंचायती राज को

मज़बूत करना केवल इमारतें बनाना ही नहीं, बल्कि संसाधनों और सही माहौल की उपलब्धता से संभव है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण का उद्देश्य केवल पौधे लगाना ही नहीं लेकिन उनका संरक्षण करना भी आवश्यक है। इसी क्रम में अब फेंसिंग और पानी की व्यवस्था के बिना पौधारोपण नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यह प्राकृतिक संसाधनों जैसे जल स्रोत, भूमि को पुनर्जीवित करने के प्रयास करना चाहिए।

मंत्री पटेल ने कहा कि ग्रामीण विकास में पात्र व्यक्ति को सबसे पहले लाभ मिलना न्याय की सच्ची परिभाषा है। सभी पात्र हितग्रहियों को शासन की योजनाओं के लाभ पहुंचने के लिए प्रयास किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए अधिकारियों को ट्राइबल ब्लॉक्स में भेजने से उन्हें अधिक जमीनी अनुभव मिलेगा। पेसा एक्ट के अंतर्गत ग्राम सभाओं की सक्रियता और वास्तविक बैठकें सुनिश्चित करने पर बल दिया जा रहा है। उन्होंने कहा गौण खनिज अधिकारों की रक्षा की ज़िम्मेदारी अब जनपद सीईओ की होगी। उन्होंने कहा कि प्रकृति का सम्मान आवश्यक है – नदी, पहाड़ और वृक्ष जीवनदायिनी संगम हैं। जनजातीय समाज की प्रकृति के प्रति आस्था और उनकी जीवनशैली से सीखना चाहिए।

मंत्री श्री पटेल ने जल गंगा अभियान और एक बगिया माँ के नाम अभियान के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेश भर में जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कई कार्य किए गए। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि अभियान के तहत उन्होंने 80 से अधिक छोटी नदियों के उद्गम स्थलों का दौरा किया। उन्होंने बताया कि जल स्रोतों के संरक्षण के साथ ही पौधों के संरक्षण के लिए एक बगिया मां के नाम अभियान की शुरुआत 15 जुलाई से की जा रही है। इस अभियान के तहत एक एकड़ ज़मीन पर बगिया लगाने के लिए 3 लाख की सहायता दी जाएगी – पहले साल 2 लाख, फिर क्रमशः 52,000 और 48,000 की किश्तों में। स्वसहायता समूह की महिलाओं को निजी भूमि पर बागवानी के लिए विशेष आर्थिक सहायता दी जाएगी।

मंत्री पटेल ने कहा कि मनरेगा योजना के तहत किया जाए जा रहे कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए स्ढ्ढक्रद्ब सॉफ्टवेयर का उपयोग शुरू हो चुका है, जिससे योजनाएं वैज्ञानिक आधार पर चलेंगी। उन्होंने कहा कि कई योजनाओं की असफलता का कारण साइट सिलेक्शन की गलतियां हैं, जिसे नवीन तकनीक का समावेश कर ठीक किया जा सकता है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में किया पौधरोपण

भोपाल, नप्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम इस कड़ी में, गुलमोहर कॉलोनी, ई 8, अरेरा कॉलोनी में पार्षद सुषमा बाबीसा , हीरेन्द सिंह पीयूष सिसोदिया, मंडल अध्यक्ष,कर्मचारी नेता, समाज सेवी, अजय श्रीवास्तव नीलू, पुनीत वर्मा, विष्णु दुबे, पूर्व पार्षद हीरवे, राहुल यति ,संदीप चौबे, पंकज जायसवाल, अजय सिंह, मनोज शर्मा, प्रवीण शर्मा,बी के बिजलानी, आदि ने शहीद अजय यादव पार्क में पौधरोपण कार्य किया। सभी से अपील की हम एक दूसरे को जोड़ें और एक पौधा अवश्य लगाएं। हम वह पौधा अपने माता-पिता , जन्मदिन पर अपने बच्चों के जन्मदिन पर हमारे घर के बुजुर्गों के जन्मदिन के अवसर पर एक पौधा अवश्य लगाएं ।

इस मानसून सीजन में खांसी से राहत के लिए आयुर्वेद की शक्ति डाबर हनीटस

भोपाल। भारत में मानसून न केवल गर्मियों की चिलचिलाती गर्मी से राहत देता है, बल्कि इसके साथ खांसी, जुकाम और गले में खराश जैसी स्वास्थ्य समस्याएं भी आम हो जाती हैं। इन मौसमी समस्याओं से निपटने के लिए डाबर इंडिया लिमिटेड ने अपने आयुर्वेदिक हर्बल कफ सिरप डाबर हनीटस को इस मानसून सीजन में सक्रिय रूप से प्रचारित करते हुए एक विशेष जागरूकता अभियान की शुरुआत की है। इस पहल के तहत भोपाल स्थित संस्कार भारती विद्यापीठ स्कूल में एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें 250 से अधिक बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत डाबर इंडिया लिमिटेड के कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन मैनेजर दिनेश कुमार ने की। इस मौके पर स्कूल के प्रधानाध्यापकआर.डी. श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। सत्र में बच्चों को आयुर्वेद, जड़ी-बूटियों के लाभ और मौसम से जुड़ी सामान्य बीमारियों से बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी गई। डाबर ने इस कार्यक्रम के माध्यम से न केवल अपने उत्पाद हनीटस की जानकारी दी, बल्कि आयुर्वेद को लेकर जनजागरूकता फैलाने की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम उठाया।

करोंद निवासी व्यापारी ने लगाई बड़े तालाब में छलांग, गोताखोरों ने बचाया

भोपाल । करोंद निवासी व्यापारी ने लगाई बड़े तालाब में छलांग। गोताखोरों ने तत्काल पानी में कूद बचाई उसकी जान। मामला बुधवार सुबह थाना तलैया अंतर्गत गौहर महल के सामने वी आई पी रोड बड़े तालाब का है। जहां करोंद न्यू जेल रोड गोकुल धाम निवासी रामलाल गुर्जर पिता मांगीलाल गुर्जर ने अचानक तालाब में छलांग लगा दी। रामलाल के तालाब में छलांग लगाते ही वहां हड़कंप मच गया।

तत्काल वहां उपस्थित नगर निगम गोताखोर आसिफ खान और मोहम्मद मजहर पानी में उसे बचाने कूदे और कुछ ही देर बाद उसे सकुशल बाहर निकाल लिया।

तत्काल घटना की जानकारी थाना तलैया पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस के हवाले रामलाल को कर को कर दिया गया। जानकारी के अनुसार तालाब में कूदने वाला रामलाल राजस्थान का निवासी है। जो एक व्यापारी है। वह परिवार से परेशान हो उसने यह कदम उठाया था।

जय घोष के साथ बाबा बर्फानी के दर्शनों को रवाना हुआ जत्था

युवाओं में दिखा आस्था का जोश

भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन से अमरनाथ यात्रा के लिए जय बाबा बर्फानी समिति द्वारा आयोजित भव्य जत्था पूरे धार्मिक उल्लास और श्रद्धा के साथ रवाना हुआ। इस जत्थे का नेतृत्व समिति के अध्यक्ष राकेश सौदे ने किया। जत्थे के रवाना होते समय स्टेशन परिसर में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली और पूरे माहौल में हर हर महादेव और बम बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। इस अवसर पर समिति के सक्रिय सदस्य गौरव सौदे सहित कई युवा साथियों ने यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं का स्वागत-सम्मान कर उन्हें रवाना किया। गौरव सौदे ने अपने उद्बोधन में भावुक होते हुए कहा, मैं पूरे जत्थे के साथ बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जा रहा हूं। यह मेरा सौभाग्य है कि जय बाबा बर्फानी समिति ने मुझे

यह अवसर दिया। मैं बाबा शिव से पूरे प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि, अमन और शांति के लिए प्रार्थना करूंगा। समिति द्वारा जत्थे को रवाना करने से पहले विशेष पूजा-अर्चना की गई और श्रद्धालुओं को यात्रा के लिए जरूरी सामग्री भी वितरित की गई। यात्रियों का उत्साह और शिवभक्ति की भावना देखते ही बनती थी। इस यात्रा में भोपाल सहित आसपास के क्षेत्रों के अनेक श्रद्धालु शामिल हुए हैं। अमरनाथ यात्रा की शुरुआत धार्मिक आस्था और सामूहिक एकता की अनूठी मिसाल पेश करती है, जो यह जत्था भोपाल से रवाना होकर बखूबी दिखा रहा है।

मंत्री टेटवाल ने आईटीआई भोपाल में एसेम्बली एवं बैसिक ट्रेनिंग लैब का किया लोकार्पण

भोपाल, नप्र। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने भोपाल स्थित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था आईटीआई में नवीन एसेम्बली लैब एवं बैसिक ट्रेनिंग लैब का लोकार्पण किया। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि प्रशिक्षण संस्थानों में आधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना कौशल भारत, कुशल भारत÷ के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि जब प्रशिक्षार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ कार्यस्थल की संस्कृति, सुरक्षा मानकों और अनुशासन का व्यवहारिक प्रशिक्षण मिलता है, तब वे न केवल रोजगार योग्य होते हैं, बल्कि स्वावलंबन की ओर भी अग्रसर होते हैं। मंत्री टेटवाल ने कहा कि प्रशिक्षण और रोजगार को जोड़ने की इस पहल के तहत दो अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं तैयार की गई हैं।

निषादराज समाज के गौरव और संस्कृति को मिलेगा मंचः राज्य मंत्री पंवार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में 12 जुलाई को राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में 12 जुलाई को उज्जैन में राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन का आयोजन होगा। कार्यक्रम की तैयारियों की मत्स्य पालन एवं मछुआ कल्याण राज्य मंत्री नारायण सिंह पंवार ने समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन निषादराज समाज के गौरव और संस्कृति को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है, ऐसे में यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी व्यवस्थाएं उत्कृष्ट हों। राज्यमंत्री श्री पंवार ने अधिकारियों को समय-सीमा में सभी कार्यों को पूर्ण करने और बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उज्जैन में आयोजित होने जा रहे इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए हर जरूरी कदम उठाए जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे भूमिपूजन और लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में 22.65 करोड़ रूपये की लागत के 453 स्मार्ट फिश पार्लर, 40 करोड़ रूपये की लागत से बन रहे अत्याधुनिक अंडर वॉटर टनल सहित एक्वापार्क और 91.80 करोड़ रूपये की लागत से इंदिरा सागर जलाशय में 3060 केजेस के माध्यम से मत्स्य उत्पादन से वृद्धि एवं रोजगार सृजन का वर्चुअली भूमि-पूजन करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 430 मोटर साइकिल विद आइस बॉक्स के स्वीकृति पत्र एवं 100 यूनिट्स का वितरण, 396 केज के स्वीकृति पत्र का प्रदाय, फीडमील के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र का प्रदाय एवं उत्कृष्ट कार्य कर रहे मछुआरों एवं मत्स्य सहकारी समितियों को पुरस्कार वितरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मत्स्य महासंघ के मछुआरों को 9.63 करोड़ रूपये के डेफर्ड वेजेस का सिंगल क्लिक से अंतरण करने के साथ ही रॉयल्टी चेक प्रदाय करेंगे।

पिछड़ा वर्ग का 13 प्रतिशत आरक्षण होल्ड पर रखने के विरोध में

ओबीसी महासभा का कल प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन

भोपाल, नप्र। मध्यप्रदेश में सरकार के द्वारा 2019 से पिछड़ा वर्ग के 13 प्रतिशत आरक्षण को होल्ड कर रखा हे जिसमें मध्यप्रदेश की विभिन्न भर्तियों में लगभग पिछड़ा वर्ग के 27865 अभ्यर्थी प्रभावित हे जो चयनित होने के बाद भी आज दर दर भटक रहे हे सरकार 13 प्रतिशत आरक्षण होल्ड हटाए ओर उन्हें शीघ्र नियुक्ति दे लेकिन सरकार कोर्ट के माध्यम से पिछड़ा वर्ग को गुमराह कर रही हे जबकि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कह दिया हे कि हमारी तरफ से कोई रोक नहीं हें जिसके बाद भी सरकार लागू नहीं कर रही हे।सरकार जिन वकीलों को केस में पैरवी करने के लिए जनता के टैक्स का पैसा दे रही हे वहीं वकील कोर्ट में पिछड़ा वर्ग के विरोध में कार्य कर रहे हे इन्हीं घटनाओं को देखते हुए ओबीसी महासभा ने 10 जुलाई को संपूर्ण मध्यप्रदेश में 13 प्रतिशत होल्ड के विरोध में सभी जिला

मुख्यालयों पर ज्ञापन प्रदर्शन करने का ऐलान किया हे जिसमें पिछड़ा वर्ग एवं पिछड़ा वर्ग की कई जातियों के संगठनों ने अपने लेटर जारी कर समर्थन दिया हे और कई आरक्षण हितैषी संगठनों ने भी समर्थन दिया हे सरकार यदि आगामी 7 दिनों में 13 प्रतिशत होल्ड हटाकर नियुक्तियां जारी नहीं करती हे तो मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा यह जानकारी प्रेस वार्ता कर ओबीसी महासभा कोर कमेटी सदस्य महेंद्र सिंह लोधी, पुरषोत्तम लोधी भोपाल जिला अध्यक्ष हुकुम सिंह कुशवाहा कार्यकारी जिला अध्यक्ष एवं चयनित अभ्यर्थियों ने जानकारी दी।

सेवा भारती के पदाधिकारी और वरिष्ठ समाजसेवी नवनीत अग्रवाल का जन्म दिवस मनाया

अग्रवाल नए कार्यकर्ता के लिए प्रेरकः ढालिया

भोपाल, नप्र। सेवा कार्यों में अग्रणी संस्था सेवा भारती के वरिष्ठ पदाधिकारी और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर सेवा कार्य करने वाले नवनीत अग्रवाल का लखेरा पूरा स्थित माधव पहलवान चौराहे पर महेंद्र अग्रवाल, अरविंद मित्तल, दीपक जैन, अजय अग्रवाल लाला ओर भगवानदास ढालिया ने गमछा ओढ़ा और मिष्ठान खिलाकर बधाई शुभकामनाएं दी श्री ढालिया ने नवनीत अग्रवाल जी के द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों से आदर्श कार्यकर्ता बताया इस अवसर पर बीरबल ढालिया जन कल्याण परिषद के कोषाध्यक्ष राजकुमार सांखला, मोहन अग्रवाल, रुपेश अग्रवाल, ,विजय श्रीवास्तव, चांदमल पवार आदि उपस्थित रहे।

गलत काम करने वाले दुष्कर्मी जीजा को हुई 20 वर्ष की सजा

भोपाल। दिव्या शुक्ला भोपाल ने बताया कि न्यायालय कुमुदिनी पटेल पन्द्रहवें अपर सत्र न्यायाधीश व विशेष न्यायाधीश के द्वारा बलात्कार करने वाले आरोपी अनिल मोरे को धारा 376(2)एफ, 376(2)एन, 323, 506 भादवि एंव ङ, 5एल, एन/6 पॉक्सो एक्ट मे दोषसिद्ध पाते हुये आरोपी अनिल मोरे को धारा 376(2)एफ भादवि एवं 5एन/6 पॉक्सो एक्ट मे 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1,00 रू अर्थदण्ड, धारा 376(2)एन भादवि एवं 5एल/6 पॉक्सो एक्ट मे 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1,00 रू, धारा 3/4 पॉक्सो एक्ट मे 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 100 रू एवं धारा 323 एवं 506 भादवि मे 01-01 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 100-100 रू अर्थदण्ड से दण्डित किये जाने का निर्णय पारित किया है । उक्त प्रकरण में शासन द्वारा की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुश्री दिव्या शुक्ला एवं श्रीमती ज्योति कुजूर द्वारा पैरवी की गई है। घटना 02 नवंबर 2020 की है। चाइल्ड लाईन भोपाल के सदस्य द्वारा पुलिस थाना टी.टी.नगर को एक लिखित आवेदन इस आशय से दिया कि अभियुक्त अनिल मोरे उसका सगा जीजा होते हुए उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। पीड़िता ने अपने कथनों मे बताया कि वह पॉच भाई बहन है। वह भाई बहनों में सबसे छोटी है। उसके माता-पिता नही है। मॉ की मृत्यु हो जाने के बाद बडे भाई उसके उसकी एक और दीदी के घर रहने के लिये भेज दिया। अनिल मोरे उसके सगे जीजा है। उस समय अभियोक्त्री की आयु 11 वर्ष थी। अभियोक्त्री के आने के बाद आरोपी अनिल मोरे ने अपने माता-पिता से थोडी दूरी पर अपनी अलग झुग्गी ले ली और उसकी दीदी को अलग-अलग बंगलों पर काम पर लगा दिया था। आरोपी अनिल घर पर ही रहता था। जब दीदी काम पर जाती तो आरोपी अनिल उसके साथ गलत काम कर दुष्कर्म करता था और धमकी देता था कि किसी को कुछ बताया तो तुझे ओर तेरी दीदी को जान से मार दूंगा। जिस कारण मै घर छोडकर चली गई और एम.पी.नगर मे मुझे मुस्कान संस्था की दीदिया मिली और उनको मैने सारी घटना की जानकारी दी। उसके बाद मुस्कान संस्था की दीदी मुझे अपने साथ ले गई। उक्त घटना की सूचना के आधार पर पुलिस थाना टी.टी. नगर मे अपराध क्रमांक 842/2020 धारा 376, 376(2)एन, 376(2)एफ भादवि एवं 3/4, 5एल/6, 9/10 पॉक?सो एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। सम्पूर्ण विवेचना उपरान्त प्रकरण माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, माननीय न्यायालय मे अभियोजन द्वारा प्रस्तुत तर्क, साक्ष्य, दस्तावेज से सहमत होते हुये आरोपी अनिल मोरे को धारा 376(2)एफ भादवि एवं 5एन/6 पॉक्सो एक्ट मे 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1,00 रू अर्थदण्ड, धारा 376(2)एन भादवि एवं 5एल/6 पॉक?सो एक?ट मे 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1,00 रू, धारा 3/4 पॉक?सो एक?ट मे 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 100 रू एवं धारा 323 एवं 506 भादवि मे 01-01 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 100-100 रू अर्थदण?ड से दण्डित किये जाने का निर्णय पारित किया है।

नागरिकों का विदेश जाने का सपना होगा पूरा : सारंग

भोपाल। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि नये पासपोर्ट कार्यालय भवन बनने से नागरिकों को सुविधा मिलेगी। वहीं आसान और सरल तरीके से नागरिकों को पासपोर्ट उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई तकनीकियों के साथ पारदर्शिता पूर्ण सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं यह उसी का उदाहरण है। मंत्री सारंग अरेरा हिल्स स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री सारंग ने कहा कि कार्यालय भवन में पूरी क्षमता के साथ हर एक टेक्नॉजोजी को आत्मसात किया है। मध्यप्रदेश और देश के हर एक नागरिक को इस कार्यालय की सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने कार्यालय भवन की अवधारणा को सराहा। भवन में हर सुविधा का ध्यान रखते हुए निर्माण किया गया है, जो लोगों को कम समय में अधिक लाभ प्रदान करेंगी। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा है कि कार्यालय भवन में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं इससे आसानी से समय पर लोगों को लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि सुगम और सुलभ लाभ देने के लिये कर्मचारियों में विनम्रता भी आवश्यक है। मुख्य पासपोर्ट अधिकारी डॉ. के.जे. श्रीनिवास ने बताया है कि हर संसदीय क्षेत्र तक पासपोर्ट सेवाएं पहुंचाने के लिये विदेश मंत्रालय प्रतिबद्ध है। भारत में 450 पासपोर्ट सेवा केन्द्र स्थापित हो चुके हैं। पिछले डेढ़ वर्ष में मध्यप्रदेश में शहडोल, मंदसौर, खंडवा, गुना, खरगोन एवं भिण्ड जिले में पासपोर्ट सुविधा केन्द्र खोले गये है। जल्द ही मंडला में भी सुविधा केन्द्र खोला जायेगा। शुरूआत में अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन कर और फीता काटकर नये भवन का लोकार्पण किया। कार्यालय भवन में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण के बाद आवेदको की सुविधाओं के दृष्टिगत प्रकाशित कॉमिक बुक क्षितिज का विमोचन भी किया। श्रेष्ठ कार्य करने वालो का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान भी किया। नये पासपोर्ट कार्यालय भवन में आधुनिक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है।

यहां शिशु पालक कक्ष, आवेदको, कर्मचारियों के लिये पुस्तकालय, छोटे बच्चो के लिये स्ट्रालर, दिव्यांगों के लिये व्हीलचेयर, कर्मचारी कल्याण कक्ष, कैफेटेरिया आदि की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है।

कार्यक्रम में मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल श्री विनीत माथुर, पुलिस महानिरीक्षक श्री अंशुमन सिंह, सीपीडब्ल्यूडी के श्री जे. आर. मीणा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी-कर्मचारी और टीसीएस कर्मी उपस्थित थे।

दिल्ली में सीएम डॉ यादव और प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने की अमित शाह राजनाथ सिंह व नड्डा से मुलाकात

नई दिल्ली। राजधानी नई दिल्ली में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से आत्मीय भेंट की। यह हेमंत खंडेलवाल की प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली दिल्ली यात्रा थी, जिसमें दोनों नेताओं ने संगठन, सुशासन और प्रदेश के विकास से जुड़े अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। मुलाकात के दौरान अमित शाह, राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा जैसे भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से प्रेरणादायक मार्गदर्शन से दोनों नेताओं को संगठन सेवा और प्रदेश के विकास के लिए नई ऊर्जा व दिशा मिली।

सीएम ने दिल्ली में केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. मुरूगन से की भेंट

उज्जैन में शीघ्र प्रारंभ होगा आकाशवाणी केंद्र

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन में आकाशवाणी केंद्र प्रारंभ किए जाने की सैद्धांतिक सहमति हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल मुरूगन से भेंट में सिंहस्थ 2028 के दृष्टिगत उज्जैन में शीघ्र आकाशवाणी केंद्र प्रारंभ करवाने का अनुरोध किया। केन्द्रीय राज्य मंत्री डॉ. मुरूगन ने इसकी सहमति एवं आवश्यक प्रक्रिया प्रारंभ करवाने के लिए आश्वस्त किया। आकाशवाणी स्टूडियो का निर्माण होने तक उज्जैन केंद्र के प्रसारण की व्यवस्था आकाशवाणी केन्द्र इंदौर के माध्यम से किए जाने के प्रयास भी किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में मंत्रीगण से भेंट के बाद मीडिया प्रतिनिधियों को जानकारी दी कि भारत सरकार के उपक्रम बंगलौर के बीईएमएल लिमिटेड के अत्याधुनिक रेल कोच विनिर्माण संयंत्र का शिलान्यास प्रदेश के रायसेन जिले में शीघ्र किया जाएगा। इसके लिए लगभग 1800 करोड़ रूपए का निवेश किया जा रहा है। संयंत्र में मध्यप्रदेश सरकार, रेल मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय की भागीदारी रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से इस संयंत्र के शिलान्यास का अनुरोध किया गया है। साथ ही संयंत्र के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई है। केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह को जानकारी दी गई कि मध्यप्रदेश शासन ने रायसेन जिले में इस संयंत्र की स्थापना के लिए लगभग 60 हेक्टयर भूमि का आवंटन कर दिया है। यह संयंत्र लगभग डेढ़ हजार लोगों को रोजगार दिलवाने में भी सहायक होगा साथ ही देश के रेल कोच संयंत्रों के मानचित्र में विशेष स्थान बनाएगा।

नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नई पहल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की भावना के अनुरूप नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ा काम किया जा रहा है। सभी प्रकार की नवकरणीय ऊर्जा जैसे सौर, पवन और पंप स्टोरेज सभी पर काम कर रहे हैं। पूरे देश में मध्यप्रदेश ही ऐसा राज्य है जो सबसे सस्ती दर पर बिजली उपलब्ध करवा रहा है, जिससे नई दिल्ली में मेट्रो ट्रेन चल रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य के 32 लाख किसानों के लिए सोलर पैनल लगाकर देंगे जिससे भविष्य में किसान स्वयं की बिजली उत्पन्न कर सकें। इससे लगभग 18 हजार करोड़ की सब्सिडी के भार से राज्य सरकार मुक्त हो सकेगी। प्रधानमंत्री कुसुमश्री योजना में ए-बी-सी- तीनों श्रेणियों में मध्यप्रदेश सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्रीय नवकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी से चर्चा हुई और उम्मीद है कि नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में और अच्छी प्रगति होने वाली है। भविष्य में स्थापित होने वाले सोलर पार्क, जो लगभग 4200 मेगावाट क्षमता के होंगे, नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की महत्वपूर्ण उपलब्धि बनेंगे। इसके अलावा उत्तरप्रदेश के साथ 2 हजार मेगावाट से सोलर एनर्जी के स्त्रोत विकसित होंगे जिससे दोनों राज्य 6-6 महीने आपस में बिजली का बंटवारा भी करेंगे।

मुख्यमंत्री की पर्यावरण और जल संरक्षण अवधारणा पर अमल

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जल, प्रकृति, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पूरे देश में चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान को प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मिशन के रूप में चला रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्रकृति, पर्यावरण और जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रदेश के 16 जिलों में मां नर्मदा परिक्रमा पथ के आश्रय स?थलों की भूमि पर पौधरोपण करेगी और मनरेगा परिषद ने तैयारी भी शुरू कर दी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने पौधरोपण के संबंध में निर्देश भी जारी किए हैं।

233 स्थानों की लगभग 1000 एकड़ भूमि पर किया जाएगा पौधरोपण: मां नर्मदा परिक्रमा पथ पर स्थित आश्रय स्थलों के लगभग 233 स्थानों की लगभग 1000 एकड़ भूमि पर 43 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से लगभग 7.50 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा। पौधरोपण का कार्य 15 जुलाई से शुरू होगा जो 15 अगस्त तक चलेगा। इन क्षेत्रों में पौध-रोपण के लिए बकायदा अभियान चलाया जाएगा।

16 जिलों में मां नर्मदा आश्रय स्थलों पर होगा पौधरोपण: मां नर्मदा आश्रय स्थलों पर जिन जिलों में पौधरोपण किया जाएगा, उन 16 जिलों में अनूपपुर, डिंडोरी, मण?डला, जबलपुर, नरसिंहपुर, सिवनी, बड़वानी, अलीराजपुर, धार, नर्मदापुरम, रायसेन, सीहोर, हरदा, देवास, खंडवा एवं खरगोन शामिल हैं।

ड्रोन-सैटेलाइट इमेज से की जाएगी निगरानी: मां नर्मदा परिक्रमा पथ के आश्रय स्थलों की भूमि पर पौधरोपण का कार्य सही ढ़ग से हो रहा है या नहीं पौधे कहां पर लगे हैं या नहीं। मनरेगा परिषद द्वारा संपूर्ण पौध-रोपण कार्य की ड्रोन-सैटेलाइट इमेज से बकायदा निगरानी भी की जाएगी। आश्रय स्थलों पर भूमि की उपलब्धता के अनुसार दो श्रेणियों में पौधरोपण का कार्य किया जाएगा। प्रदेश में 136 ऐसे स्थान हैं जहां पर 2 एकड़ से अधिक भूमि है। यहां पर 2.15 लाख पौधे लगाए जाएंगे। इसी तरह 97 ऐसे स्थान हैं जहां पर 1 एकड़ से अधिक और 2 एकड़ से कम भूमि है वहां पर 5.50 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा।

14 जुलाई तक पूरा कर लिया जाएगा गड्ढे की खुदाई और तार की फेंसिंग का कार्य: मां नर्मदा परिक्रमा पथ के आश्रय स?थलों की भूमि पर पौधरोपण का कार्य शुरू होने से पहले गड्?ढे की खुदाई, तार की फेंसिंग, सिपरी सॉफ्टवेयर द्वारा प्रस्तावित भूमि का स्थल निरीक्षण, भौतिक सत्यापन, तकनीकी व प्रशासकीय स्वीकृति जैसे कार्य पूरे कर लिए जाएंगे। 15 जुलाई से पौधरोपण का कार्य शुरू होगा।

निरंतर सीखने और सेवा भाव के साथ कार्य करने का किया प्रयास: राज्यपाल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि निरंतर सीखने और सेवा भाव के साथ कार्य करने का प्रयास विगत चार वर्षों में किया है। आगे भी इसी भाव और लक्ष्य के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि अपने सामर्थ्य अनुसार राष्ट्र की चुनौतियों को दूर करने के प्रयासों में ही जीवन की सार्थकता है। समाज में व्याप्त गरीबी, अशिक्षा, अज्ञानता आदि की चुनौतियों को दूर करने के लिए अधिक से अधिक योगदान का प्रयास प्रत्येक व्यक्ति को करना चाहिए।

राज्यपाल श्री पटेल ने यह बात राजभवन में उनके चार वर्षों के कार्यकाल की पूर्णता पर आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम का आयोजन राजभवन के ऑडिटोरियम सांदीपनि में किया गया था। इस अवसर पर जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री दीपक खांडेकर, अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता, अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, सचिव जनजातीय प्रकोष्ठ श्रीमती जमुना भिड़े सहित राजभवन के समस्त अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कार्यक्रम में राजभवन पचमढ़ी पुस्तक लोकार्पित की। जनसंपर्क विभाग द्वारा तैयार लघु फिल्म संकल्प सिद्ध कर्म सिद्ध राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का प्रदर्शन भी किया गया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि सृष्टि की कृतियों में एकमात्र मानव ही ऐसी रचना है जिसको वाणी, बुद्धि सहित समस्त शक्तियां मिली है। किसी और को यह सब एक साथ नहीं मिली है। यह सभी शक्तियां मानव की सेवा के लिए है। उन्होंने कहा कि स्वार्थी जीवन निरर्थक है। उन्होंने एक भव्य भवन वाले विश्वविद्यालय के भ्रमण प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में सर्वत्र, समृद्धता दिखाई दे रही थी। पार्किंग में दोपहिया वाहनों से कहीं अधिक फोर व्हीलर खड़े थे। इस शान-औ-शौकत में निकट ही गरीबों की बस्ती थी, जो अलग-थलग दिख रही थी। श्री पटेल ने कहा कि वह समृद्धता निरर्थक है, जो वंचितों, गरीबों की अनदेखी करे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि उनके परिश्रम का एकमात्र लक्ष्य जरूरतमंद, वंचितों की मदद करना है। उनके प्रयासों से जब उनकी मदद होती है वह उनमें नया उत्साह और अथक परिश्रम की उर्जा प्रदान करती है। उन्होंने विकसित भारत यात्रा के प्रथम कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए बताया कि कार्यक्रम में उन्हें दिखा कि आगे आने वाले ही लाभ लेने पहुंच रहे हैं जबकि योजना की मंशा लाभ से वंचितों को लाभान्वित करना था। प्रशासन के समक्ष वस्तुस्थिति को बताकर लाभ से छूट गए पात्र व्यक्तियों को योजनाओं के लाभ देने में प्राथमिकता सुनिश्चित की। इसी लिए शेष जिलों में 43 दिनों में 21 जिलों की यात्रा की थी। उन्होंने इस प्रसंग के संदर्भ में बताया कि योजना के पात्र वंचितों को लाभान्वित कराने की मंशा से ही व्यापक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान वंचितों लाभार्थियों के चेहरे पर लाभान्वित होने की खुशी को देखना ही उनके परिश्रम की उर्जा का स्त्रोत है। राजभवन सचिवालय की महिला अधिकारियों-कर्मचारियों ने समवेत स्वर में जहां डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा और सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्ता हमारा की प्रस्तुति दी। आभार प्रदर्शन जनजातीय प्रकोष्ठ की सचिव श्रीमती जमुना भिड़े ने किया। संचालन कंट्रोलर हॉऊस होल्ड श्रीमती शिल्पी दिवाकर ने किया।

लाड़ली बहना योजना: 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के लिए अपडेट, 12 जुलाई को जारी होगी 26वीं किस्त

भोपाल। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की करोड़ों लाड़ली बहनों के लिए ताजा अपडेट है। 12 जुलाई को उज्जैन से सीएम डॉ मोहन यादव 26वीं किस्त जारी करेंगे।खास बात ये है कि इस बार तय राशि 1250 के अलावा बहनों के खाते में रक्षाबंधन के शगुन के तौर पर 250 रुपए अतिरिक्त भेजे जाएंगे। इसके साथ ही 26 लाख बहनों को सिलेंडर रिफिलिंग के लिए राशि दी जाएगी।

आमतौर पर योजना की किस्त हर महीने की 10 तारीख तक जारी कर दी जाती थी, लेकिन अप्रैल 2025 से राशि वितरण की तारीख में बदलाव किया गया है।इस दौरान कैबिनेट बैठक में मोहन सरकार ने फैसला किया था कि वह प्रतिमाह 15 तारीख के आसपास बहनों के खाते में राशि भेजेगी। यही कारण था कि अप्रैल में 16 तारीख को 23वीं किस्त, 15 मई को 24वीं किस्त और 16 जून को 25वीं किस्त जारी की गई थी।अब 12 जुलाई को मोहन सरकार योजना की अगली किस्त जारी करने जा रही है।

दिवाली बाद बहनों को हर माह मिलेंगे 1500- दिवाली के बाद भाई दूज से योजना की राशि में 250 रु का इजाफा किया जाएगा और हर माह 1250 की जगह 1500 रुपए मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि रक्षाबंधन से पहले सभी पात्र बहनों को 250 रुपए की अतिरिक्त राशि शगुन के रूप में भेजी जाएगी।

दीपावली के बाद हम प्रदेश की सभी लाडली बहनों को हर माह 1500 रुपए महीना देंगे। अभी वर्तमान में योजना के तहत 1250 रूपये प्रति माह की राशि लाड़ली बहनों को दी जा रही है।योजना के तहत चरणबद्ध रूप से राशि बढ़ाकर तीन हजार रूपये प्रति माह तक की जायेगी।

लाड़ली बहना योजना में मिलते है हर माह 1250- लाड़ली बहना योजना पिछली शिवराज सिंह चौहान सरकार द्वारा मई 2023 में शुरू की गई थी।

लाड़ली बहना योजना का मुख्य उद्देश्य मध्य प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उनके जीवन को बेहतर बनाना है।

इस योजना के तहत 21 से 60 वर्ष की विवाहित महिलाओं को 1000 रुपए देने का फैसला किया गया था और फिर इसकी पहली किस्त 10 जून को जारी की गई थी।

इसके बाद रक्षाबंधन 2023 पर राशि को बढ़ाकर 1250 रुपए कर दिया गया था।

अब इस योजना के तहत 1250 रुपए महीना के हिसाब से महिलाओं को सालाना 15,000 रुपये मिलते हैं।

रेल चिकित्सालय को मिला सहयोग का उपहार

मरीजों के लिए भेंट की गई व्हीलचेयर

भोपाल। मंडल रेल चिकित्सालय, भोपाल में एक भावपूर्ण आयोजन के अंतर्गत स्व. बिसना बाई (पूर्व प्रधान रसोइया) की स्मृति में उनकी सुपुत्री कमला अमरजीत सिंह द्वारा दो व्हीलचेयर मरीजों के उपयोग हेतु भेंट की गईं। यह आयोजन स्व. बिसना बाई के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में किया गया।

यह पहल न केवल सेवा भावना का प्रतीक है, बल्कि स्वास्थ्य सेवा से जुड़े कार्मिकों के प्रति सम्मान की भावनाओं को भी दर्शाती है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय डोगरा, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (प्रशासन) डॉ. रचना श्रीवास्तव सहित चिकित्सालय का समस्त स्टाफ एवं स्व. बिसना बाई के परिजन उपस्थित रहे। मंडल रेल चिकित्सालय भोपाल में यह योगदान मरीजों की सुविधा के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा और सेवा के क्षेत्र में एक प्रेरणास्पद उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

मप्र देश के सबसे तेजी से विकास करने वाले राज्यों में अग्रणी: शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 में प्रदेश में केवल 5 शासकीय मेडिकल कॉलेज थे। आज यह संख्या बढ़कर 17 हो गई है। इस वर्ष दो और मेडिकल कॉलेज शुरू हो रहे हैं और आगामी वर्ष में छह नए कॉलेजों की शुरुआत प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निजी स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में निवेश को भी प्रोत्साहित कर रही है, जिससे चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं दोनों स्तरों पर सशक्त हो सकें। सरकार का लक्ष्य है कि हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण उपचार सुलभ हो और इसके लिए हर संभव संसाधन पर कार्य किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल भोपाल के एक निजी होटल में एमपी तक के विशेष कार्यक्रम बैठक में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेश के विकास, स्वास्थ्य व्यवस्था के सशक्तीकरण, विंध्य क्षेत्र के विकास और अन्य समसामयिक विषयों पर विस्तार से संवाद किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश देश के सबसे तेज़ गति से विकास करने वाले राज्यों में शुमार है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर समिट, रीजनल कॉन्क्लेव से प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों की संभावनाओं और निवेश के अवसरों को रेखांकित किया जा रहा है। इससे स्वास्थ्य, उद्योग, पर्यटन, शिक्षा, और अधोसंरचना जैसे क्षेत्रों में पूरे प्रदेश में व्यापक और समग्र विकास हो रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों में टेलीमेडिसिन के माध्यम से विशेषज्ञों की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) को फर्स्ट रेफरल यूनिट के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को जिला अस्पताल तक बार-बार न जाना पड़े और उन्हें वहीं इलाज मिल जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक तीनों स्तरों की स्वास्थ्य सेवाओं को उन्नत तकनीकों और आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित करने की दिशा में तेज़ी से कार्य किया है।

अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

भोपाल । नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने सोमवार को कार्यभार ग्रहण करने के बाद भोपाल के पालिका भवन स्थित संचालनालय में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं की समीक्षा की। इस मौके पर निर्वतमान अपर मुख्य सचिव श्री संजय शुक्ला भी उपस्थित थे। अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर 11 जुलाई को होने वाले एमपी ग्रोथ कॉन्क्लेव की तैयारियों की जानकारी ली। प्रदेश के शहरी क्षेत्र के विकास में यह कॉन्क्लेव बहुत महत्वपूर्ण है। आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री संकेत भोंडवे ने विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी।

अपर मुख्य सचिव दुबे ने निर्देश दिए कि नगरीय विकास एवं आवास विभाग से संबंधित कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी। योजनाओं में प्रगति लाने के लिये प्रत्येक सोमवार को विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समयबद्ध कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिये। बैठक में विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

एशिया की सबसे बुजुर्ग हथनी वत्सला की मौत

भोपाल। पन्ना टाइगर रिजर्व के परिक्षेत्र हिनौता के अंतर्गत सबसे बुजुर्ग हथनी लगभग 100 वर्ष से अधिक आयु की वत्सला की 8 जुलाई मंगलवार को मृत्यु हो गई। वत्सला को एशिया की सबसे बुजुर्ग हथनी माना जाता है। पन्ना टाईगर रिजर्व के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा वत्सला का अंतिम संस्कार किया गया। वत्सला हथनी पर्यटकों के लिये आकर्षण का केन्द्र रही है। सबसे बुजुर्ग होने से वह पूरे हाथियों के दल का नेतृत्व करती रही है। अन्य मादा हाथी के प्रसव एवं बच्चा होने के उपरांत वह एक नानी अथवा दादी के रूप में अपनी भूमिका निभाती थी। क्षेत्र संचालक पन्ना टाइगर रिजर्व ने बताया कि मादा वत्सला परिक्षेत्र हिनौता के खैरईयां नाले के पास आगे के पैर के नाखून टूट जाने के कारण बैठ गई थी। वनकर्मियों द्वारा उसको उठाने का काफी प्रयास किया गया।

दोपहर को हथनी वत्सला की मृत्यु हो गई। हथनी वत्सला केरल से नर्मदापुरम लाई गई थी और बाद में उसे पन्ना टाईगर रिजर्व लाया गया था। वृद्ध होने के कारण वत्सला को आँखो से दिखना बंद हो गया था तथा वह अधिक दूरी तक नहीं चल पाती थी इसलिये गश्ती कार्य में इसका उपयोग नहीं लिया जाता था। इसे हिनौता हाथी केम्प में रखा गया था। प्रतिदिन खैरईयां नाले तक नहाने के लिये ले जाया जाता था और भोजन में दलिया दिया जा रहा था। पन्ना टाईगर रिजर्व प्रबंधन के वन्य प्राणी चिकित्सक एवं विशेषज्ञों के द्वारा समय-समय पर हथनी वत्सला के स्वास्थ्य का परीक्षण किया जा रहा था। इसलिए वत्सला पन्ना टाइगर रिजर्व के विरल एवं शुष्क वन क्षेत्र में दीर्घ आयु की अवस्था तक जीवित रही। टाइगर रिजर्व में बाघ पुनर्स्थपना योजना में वत्सला का अहम योगदान रहा।

संपादकीय

पहले शरिया की हुंकार फिर सनातन की पुकार

पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में, कुछ दिन पहले, एक मंच सजा था, जिससे वक्फ संशोधन कानून को कूड़ेदान में फेंकने और 'शरिया लाओ' की हुंकारें भरी गई थीं। एक विशाल जनसभा को भी संबोधित किया गया था। वह वैचारिक कम और राजनीतिक अधिक आयोजन था। अब उसी मैदान में भगवान परशुराम के जन्म-महोत्सव की आड़ में एक और मंच सजा है-'सनातन महाकुंभ।' इस पूरे कार्यक्रम के आयोजक पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे थे। यदि इस मंच से सनातन धर्म पर कुछ उपदेश दिए जाते, विचार रखे जाते और सनातनियों के लिए संदेश दिए जाते, तो आयोजन को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक माना जा सकता था। जगद्गुरु रामभद्राचार्य मुख्य अध्यक्ष थे और बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री मुख्य आकर्षण थे। हालांकि बाबा ने स्पष्ट कहा कि वह राजनीति के लिए नहीं, रामनीति के लिए आए हैं। जब भारत 'हिंदू राष्ट्र' बनेगा, तो बिहार उसका पहला हिंदू-राज्य होगा। बाबा ने आह्वान किया कि बिहार के पागलो! यह गांठ बांध लो कि हमें 'गजवा-ए-हिंद' के स्थान पर 'भगवा-ए-हिंद' देश बनाना है। हम सब हिंदू एक हैं। हिंदुओं को जातियों में मत बांटो। बाबा ने फिर यह साफ किया कि जिस-जिस पार्टी में हिंदू हैं, हम उन सभी पार्टियों के साथ हैं। बिहार में विधानसभा चुनाव के बाद बाबा पदयात्रा करेंगे। क्या बाबा बागेश्वर के कथनों और आह्वानों से स्पष्ट नहीं होता कि वह किस पार्टी के प्रचार के लिए आए थे? क्या धर्मगुरु का काम धर्म के नाम पर वोट मांगना ही रह गया है? जगद्गुरु रामभद्राचार्य बाबा बागेश्वर से बहुत आगे निकल गए। उन्होंने लालू यादव का नाम लिए बिना ही 'चारा घोटाले' का उल्लेख किया। उन्हें भारत सरकार ने इसी वर्ष 'पद्मविभूषण' से अलंकृत किया है। उन्हें 'ज्ञानपीठ' पुरस्कार भी मिला है। कथावाचकों को भी 'पद्म' सम्मान मिलने लगा है, किसी ने यह टिप्पणी की होगी, तो जगद्गुरु ने पलटजवाब दिया-'कमोबेश हम पशुओं का चारा नहीं खाते।' रामभद्राचार्य ने भविष्यवाणी-सी की है कि इस बार राष्ट्र-विरोधियों, हिंदू-विरोधियों और राम-विरोधियों को सत्ता नहीं दी जाएगी। सत्ता उन्हें ही मिलेगी, जो हिंदुओं के लिए संघर्ष करेंगे, क्रांति करेंगे। रामभद्राचार्य ने लगभग हुंकार के अंदाज में यह भी कहा-'जो सनातन को बांटना चाहेगा, वह स्वयं बंट जाएगा। जो काटना चाहेगा, वह स्वयं कट जाएगा। जो सनातन को मिटाना चाहेगा, वह स्वयं मिट जाएगा। हम राष्ट्र-विरोधियों का दमन करेंगे। क्या ये शब्द किसी साधु-संत के प्रतीत होते हैं? क्या ये शब्द उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान सरीखे समानार्थी नहीं हैं? जगद्गुरु विचारोत्तेजक लगे, आक्रोशित लगे। यह मुद्रा जगद्गुरु की नहीं हो सकती। भगवान परशुराम पर कुछ शब्द भी समर्पित नहीं किए गए। रामभद्राचार्य और धीरेंद्र शास्त्री के वक्तव्य राजनीतिक बिंदुओं के इर्द-गिर्द केंद्रित रहे। क्या धर्माचार्यों की भूमिका भी बिल्कुल राजनीतिक हो गई है दोनों साधु-संत भाजपा के प्रमुख प्रचारक की भूमिका में प्रतीत हुए।

प्रकृति एवं जीवन रक्षा के लिये नदियों का संरक्षण जरूरी

अभिताप पाण्डे

भारत में कई नदियां सूखने या प्रदूषित होने के कारण मरने के कगार पर हैं। इन नदियों की हालत इतनी खराब हो गई है कि कुछ तो नालों में बदल गई हैं और उनका नदी होना भी मुश्किल है। नदियों के सूखने और प्रदूषित होने के कारणों में मुख्य हैं, अत्यधिक पानी का दोहन, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन। नदियां जीवन का आधार है, लेकिन तेजी से बढ़ते प्रदूषण, तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं नदियों के प्रति उपेक्षा एवं दोहन के कारण कई नदियां अब 'मृत' होने की कगार पर है। गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां भी दुनिया की प्रदूषित नदियों में शामिल हो चुकी है। राष्ट्रीय स्तर पर नदी प्रबंधन, नदी प्रदूषण और नदी संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर लोगों को जागरूक करना नितांत आवश्यक है। नदियां के अत्यधिक ख़तरे में होने से मानव जीवन, पर्यावरण एवं प्रकृति भी संकट में है। जरूरत है मानसूनी जल को नदियों से जोड़ने एवं संरक्षित करने की।

देश में सर्वत्र नदियों का अस्तित्व खतरे में है। विशेषतः उत्तर प्रदेश में नदियों की संख्या लगभग 1,000 है, जिनका 55 हजार किलोमीटर का नेटवर्क है। उनमें से 30 हजार किलोमीटर क्षेत्र में जल घटा है या सूखा है। प्रदेश की 100 छोटी और सहायक नदियां सूख चुकी हैं। बिहार की 50 से अधिक नदियां संकट में हैं। इनमें 32 बड़ी नदियां सूख चुकी हैं, जबकि 18 में पानी थोड़ा बचा है। यमुना नदी भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है और यह अत्यधिक प्रदूषण और पानी के अत्यधिक दोहन के कारण मरने के कगार पर है। साहिबी नदी, जो कभी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान की एक महत्वपूर्ण नदी थी। ओडिशा में कई नदियां सूख रही हैं और प्रदूषित हो रही हैं, जिससे वहां के पर्यावरण और लोगों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। हैरानी की बात है कि गंगा, सोन और अघवारा जैसी बड़ी नदियों में भी पानी कम है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा-हल्द्वानी की लाइफलाइन कोसी और गौला नदियों का जलस्तर कम हो रहा है।

महानदी बचाओ आंदोलन और ओडिशा नदी सुरक्षा समिति द्वारा आयोजित ओडिशा नदी सुरक्षा सम्मेलन में राज्य की नदियों की बिगड़ती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। सरकार से एक समग्र नदी नीति बनाने एवं ओडिशा एवं अन्य प्रांतों की नदियों की स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने की पुरजोर मांग उठी। पर्यावरणविद् राजेन्द्र सिंह ने कहा, ओडिशा की कई नदियां मरने के कगार पर हैं। अगर नदियों का स्वास्थ्य नहीं सुधरा, तो मानव का स्वास्थ्य भी नहीं बचेगा।' बात केवल ओडिशा की ही नहीं है, बल्कि सभी प्रांतों में सिंचाई, औद्योगिक उपयोग और घरेलू जरूरतों के लिए नदियों से अत्यधिक पानी निकाला जा रहा है, जिससे नदियों में पानी की कमी हो गई है। औद्योगिक कचरा, सीवेज और कृषि अपवाह नदियों में प्रवाहित हो रहा है, जिससे पानी प्रदूषित हो रहा है। जलवायु परिवर्तन के

कारण वर्षा के तरीकों में बदलाव आया है, जिससे कुछ क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बढ़ गई है और नदियों में पानी का प्रवाह कम हो गया है। नदियों से रेत का अवैध खनन भी नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है और नदियों के बहाव को बदल रहा है। जंगलों की कटाई से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है, जिससे नदियों में गाद जमा हो रही है और उनकी गहराई कम हो रही है।

भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं। हमें अपनी नदियों को 2047 तक निर्मल व अविरल बनाने के संकल्पित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना होगा। भारत की नदियों की दिन-ब-दिन बिगड़ती हालत एवं बढ़ते प्रदूषण पर पिछले चार दशकों से लगभग हर सरकार कोरी राजनीति कर रही है, प्रदूषणमुक्त नदियों का कोई ईमानदार प्रयास होता हुआ दिखाई नहीं दिया है।

नदियां हमारे जीवन की जीवन रेखा है, गति है, ताकत है। ये पानी, बिजली, परिवहन, मछली और मनोरंजन के लिए स्त्रोत हैं। नदियां पर्यावरण के लिए भी बहुत फ़ायदेमंद हैं। नदियों के किनारे बसे शहरों की वजह से ये आर्थिक रूप से भी अहम हैं, इनसे ताज़ा पीने का पानी मिलता है, बिजली बनती है, खेती के लिए ज़रूरी उपजाऊ मिट्टी मिलती है। नदियों से जल परिवहप्रकृति एवं जीवन रक्षा के लिये नदियों का संरक्षण जरूरी बढ़ता प्रदूषण नदियों के लिए गंभीर खतरा बन गए और छोटी बड़ी तमाम नदियां सूख रही है। कई नदियां बेमौत मर गईं। केंद्र व प्रदेश की सरकार को सबसे पहले नदियों की जमीन का सीमांकन व चिह्नांकन कराने के साथ ही राजस्व नक्शे में नोटिफिकेशन करना चाहिए। तभी कुछ सुधार की संभावना है।

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। देश में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। नदियों को विवाद बना दिया है, आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये। यह किसी से छिपा नहीं है कि हमारे देश में गर्मी और लू के दिन जहां बढ़ रहे हैं, वहीं बरसात के दिन घटते जा रहे हैं। अब जलवायु परिवर्तन की मार देश के दूरस्थ अंचल तक दिख रही है। ऐसे में मानसूनी वर्षा के जल को यदि सलीके से नहीं सहेजा गया तो देश की सामाजिक-आर्थिक-प्राकृतिक स्थिति पर जल-संकट का बड़ा घातक प्रभाव होगा। नदियों के लिए ताजा पानी उपलब्ध कराने, जैव विविधता को बढ़ावा देने से लेकर जलवायु को नियंत्रित करने और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने तक स्वस्थ, निर्मल एवं पवित्र मुक्त बहने वाली नदियां को संरक्षित करना जरूरी है। तालाब संरक्षण की बात तो सभी करते हैं, लेकिन आज जरूरी है कि छोटी नदियों की भी सुध ली जाए।

आज गंदे पानी को नदी जल से अलग रखने के विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस गंदे पानी को उपचारित करके उसे कृषि कार्यों व उद्योगों में उपयोग में लाया जा सकता है। हमारी जिन नदियों ने नालों का रूप धारण कर लिया है, उन्हें पुनः नदी बनाने की जरूरत है, नदियों के प्रति मित्रवत व्यवहार रखना तथा उनकी चिंता करना जरूरी है। हम नदियों की रक्षा में अग्रणी समुदायों और नागरिक समाज के आंदोलनों को मजबूत करना होगा। मजबूत डेटा और साक्ष्य उत्पन्न करने के लिए खोजी अनुसंधान को बल देना होगा। विनाशकारी परियोजनाओं का पर्दाफाश करने और उनका विरोध करने के अभियानों को स्वतंत्र और निडर बनाये। अगर इस ग्रह पर कोई जादू है तो वह पानी में है। यह हमें अपनी अर्थव्यवस्था के एक हिस्से के रूप में व्यापार और वाणिज्य के लिए सस्ता और कुशल अंतर्देशीय परिवहन भी प्रदान करता है। यह पृथ्वी पर सबसे विविध और लुप्तप्राय वन्यजीवों में से कुछ का घर भी है।

एआई क्या कर सकती है?

राकेश दुबे

इसमें दो राय नहीं कि शासन जटिल गतिविधियों का समुच्चय है जिसके लिए सीमित जानकारी और संसाधन उपलब्ध होते हैं। इन गतिविधियों के लिए गुणात्मक और मात्रात्मक सूचनाओं, मान्यताओं और प्राथमिकताओं, नैतिकताओं और सदाचार, लोकतांत्रिक मानकों और जनमत निर्माण की भूमिका, इतिहास, क्षमताओं और संसाधन तथा अन्य कारकों को एकजुट करना होता है। तथ्य यह है कि भूराजनीति नीतिगत माहौल को अस्थिर बना रही है। यह बात हालात को और जटिल बना रही है। ऐसे हालात में हमें सहज प्रश्न करने की आवश्यकता है-एआई क्या कर सकती है और क्या यह सोचना उचित है कि शासन के लिए इसका इस्तेमाल किस प्रकार किया जाए?

पहले सवाल का उत्तर आसान है यानी इस प्रश्न का कि एआई सरकार की सहायता कैसे कर सकती है? कई विचार सामने आए हैं। इनमें कल्याण योजनाओं को बेहतर लक्षित करना, बेहतर निगरानी, बेहतर नीतिगत डिजाइन, व्यवहारात्मक बदलाव संबंधी पहल, परिदृश्य और विकल्पों का बेहतर विश्लेषण, स्वचालित ऑडिट और तत्काल निगरानी शामिल हैं। इसके साथ ही नागरिकों का फीडबैक भी तत्काल हासिल कर उसका विश्लेषण किया जा सकता है। इसके साथ ही शिकायतों के निवारण में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। इनमें से हर काम के लिए ढेर सारी सूचनाओं और उनके विश्लेषण की जरूरत होगी। पहले जहां ऐसा करने में महीनों का समय लग सकता था वहीं अब इसे कुछ ही दिनों में किया जा सकता है क्योंकि आईटी आधारित डेटा विश्लेषण के लिए उपलब्ध है। वहीं एआई इस काम को कुछ ही मिनटों में या उससे भी कम समय में कर सकती है। एआई संपन्न माहौल में आयोजित बैठक में किसी प्रश्न का उत्तर बैठक के चालू रहते ही मिल सकता है जबकि पहले इसमें कई दिनों का समय भी लग सकता था। यह उस समय और प्रासंगिक हो जाता है जब शासन में वरिष्ठ पदों पर और निचले स्तर पर बैठे लोगों के बीच का बौद्धिक अंतर बहुत अधिक होता है। इससे सरकारी व्यवस्था में सूचनाओं और विश्लेषण का प्रवाह सीमित हो जाता है। एआई निचले स्तर के अधिकारियों को सक्षम बना सकती है और ऊपरी स्तर के लोगों की क्षमताएं और बढ़ा सकती है। ऐसे में निर्णय तेजी से लिए जा सकते हैं। एआई से लाभ लेने के लिए अलग तरह की निर्णय प्रक्रिया की आवश्यकता होती है। दूसरे शब्दों में कहें तो एआई बहुत मददगार हो सकती है लेकिन केवल तभी जब सरकार के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया में बदलाव आए। इतना ही नहीं भारत के पास एआई के मामले में दूसरे देशों से उलट एक विशिष्ट अवसर है। आरंभ में समावेशन की दृष्टि से जो डिजिटल सार्वजनिक ढांचा पेश किया गया, वह देश के अधिकांश राज्यों और यहां तक कि स्थानीय स्तर तक भी फैल चुका है। चूंकि एआई गहन जानकारी होने पर बेहतर काम करती है इसलिए व्यापक और लगातार बढ़ती डिजिटल अधोसंरचना सरकार की निर्णय प्रक्रिया में इसका लाभ लेने का अतिरिक्त अवसर मुहैया कराती है।

इसमें दो राय नहीं कि एआई की भी अपनी चुनौतियां हैं और वे बरकरार रहेंगी। तीन प्रमुख चुनौतियां इस प्रकार हैं-मति भ्रम, अंतर्निहित तर्क संबंधी पूर्वग्रह और अविकसित सदाचारी और नैतिक मूल्य। मति भ्रम का अर्थ है जब एआई जानकारियां स्वयं तैयार करती हैं और अक्सर वे कम सूचना उपलब्ध होने पर ऐसा करती हैं। चूंकि सभी एआई मॉडल्स को पहले से उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर प्रशिक्षित करना होता है इसलिए हमारे तमाम पूर्वग्रह जिनमें लिंग और धर्म से संबंधित पूर्वग्रह शामिल हैं, एआई टूल्स में भी आ जाते हैं। इसके अलावा ऐसे टूल्स में सही या गलत की अवधारणा का अभाव होता है। मुझे विश्वास है कि इन्हें लेकर सुरक्षा उपाय सामने आएंगे, कुछ तो आ भी चुके हैं लेकिन वे बस फौरी राहत देंगे और इन्हें विभिन्न संस्कृतियों, पेशेवर अनुभवों और निर्णय लेने वाले लोग इस्तेमाल में लाएंगे।

ब्रिक्स में भारत का बढ़ता वर्चस्व संतुलित दुनिया का आधार

ललित गर्ग

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रविवार को हुए 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में पहलगाम की आतंकी घटना पर कठोर शब्दों में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। मोदी ने शांति एवं सुरक्षा सत्र में कहा कि पहलगाम में हुआ 'कायरतापूर्ण' आतंकवादी हमला भारत की 'आत्मा, पहचान और गरिमा' पर सीधा हमला है। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये। उन्होंने एक बार फिर इसके विस्तार की बात की और सदस्य देशों से भी आग्रहपूर्ण ढंग से दबाव बनाया कि कि ब्रिक्स को विस्तार होना चाहिए। ब्रिक्स यानी बी से ब्राजील, आर से रूस, आई से इंडिया (भारत), सी से चीन और एस से दक्षिण अफ्रीका- ये दुनिया की पांच सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक समूह है। ब्रिक्स एक ऐसा बहुपक्षीय मंच है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग, वैश्विक विकास और सामूहिक सुरक्षा की भावना को बल देता है। ब्रिक्स समिट काफी सफल एवं निर्णायक रहा है।

ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद, विशेषकर कश्मीर में फैले इस्लामी आतंकवाद को लेकर चर्चा ने इस मंच को वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाले संगठनों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। इसमें भारत की भूमिका, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक भूमिका रही है। इन शक्तिसम्पन्न पांचों देशों का वैश्विक मामलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स समूह मिलकर दुनिया में शांति, सह-जीवन, अहिंसा, लोकतांत्रिक मूल्य, समानता एवं सह-अस्तित्व पर बल देते हुए दुनिया को युद्ध, आतंक एवं हिंसामुक्त बनाया जाये। ब्रिक्स देशों के इस सम्मेलन में एक विशेष बिंदु जो उभरकर सामने आया वह था-अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का बदलता स्वरूप और इसके कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभाव।

भारत ने लंबे समय से कॉम्प्रेहेंसिव कॉन्वेंशन ऑन इन्टरनेशनल टेरिज्म्स (सीसीआईटी) की पैरवी की है। इस बार ब्रिक्स मंच पर मोदी ने इस प्रस्ताव को फिर से प्रमुखता से उठाया और एक साझा परिभाषा व वैश्विक नीति की मांग की ताकि आतंकवादियों को सुरक्षा और राजनीतिक सहारा न मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी सुझाव दिया कि ब्रिक्स को एक साझा आतंकवाद निरोधी तंत्र बनाना चाहिए, जो सूचनाओं का आदान-प्रदान, निगरानी तंत्र और आतंक के वित्तपोषण को रोकने में सहयोग करे। भारत ने इस बार पाकिस्तान का नाम लिए बिना यह सिद्ध किया कि कश्मीर में आतंकवाद एक स्थानीय असंतोष नहीं, बल्कि बाहरी प्रायोजित आतंक है। ब्रिक्स देशों, विशेषकर रूस और ब्राज़ील ने इस बात को स्वीकारा कि कश्मीर में फैले आतंकवाद पर चिंता जायज़ है और उन्होंने भारत के दृष्टिकोण का समर्थन किया। यह कूटनीतिक जीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व कौशल को रेखांकित करती है। उन्होंने न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की, बल्कि वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एक नैतिक और व्यावहारिक आधार भी प्रस्तुत किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई उन्होंने कहा कि आज दुनिया को एक बहुध्रुवीय और समावेशी व्यवस्था की जरूरत है। इसकी शुरुआत वैश्विक संस्थाओं में बदलाव से करनी होगी। मोदी ने कहा, 'बीसवीं सदी में बनाई गई वैश्विक संस्थाएं इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों से निपटने में नाकाम हैं। एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता के दौर में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट नहीं होती। बीसवीं सदी के टाइपराइटर इक्कीसवीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते। अब नरेन्द्र मोदी ने इसमें सराहनीय भूमिका निभाई है। उनके दूरगामी एवं सूझबूझ भरे सुझावों का ब्रिक्स देशों ने लोहा माना है। ब्रिक्स संगठन में भारत का वर्चस्व चीन की तुलना में बढ़ा है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता एवं कूटनीति का परिणाम है।

गुरुपूर्णिमा - गुरु और शिष्य का सम्बन्ध पूर्णतया निष्काम व आध्यात्मिक है जो परस्पर श्रद्धा आधारित

योग गुरु महेश अग्रवाल

व्यक्ति के अन्दर छिपी हुई दिव्यता का विस्फोट कराने के लिए एक बाहरी विस्फोटक लगाना पड़ता है और वह प्रत्यक्ष प्रकट और प्रचंड विस्फोटक है - गुरु।

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि गुरु शब्द का शाब्दिक अर्थ है- उच्च चेतना के मार्ग में अवरोध पैदा करने वाले अन्धकार को दूर करने वाला; सूक्ष्म अन्धकार को और अशुभ वृत्तियों को नष्ट करने वाला। लेकिन भौतिक दृष्टि से गुरु शब्द का अर्थ है - एक आध्यात्मिक शिक्षक जो आध्यात्मिक जीवन के विषय में मार्गदर्शन देता है।

योग गुरु अग्रवाल ने गुरु-शिष्य के सम्बन्ध के बारे में बताया कि जीवन की विविध वस्तुओं को समझने के लिए मनुष्य ने विभिन्न तरीकों से अपने आपको अभिव्यक्त किया है। भक्ति, करुणा, सरलता आदि श्रेष्ठ मानवीय गुणों की अनुभूति के लिए उसने स्वयं को कई रिश्तों से जोड़ रखा है; जैसे-पिता और पुत्र, पति और पत्नी, भाई और बहन, आदि। भक्ति, प्रेम और दया के विविध रूपों को समझते हुए भी उसने अनुभव किया कि अपनी पूर्णता के लिए उसे कुछ और चाहिए। इसलिए सन्त-महात्माओं ने दो व्यक्तियों के बीच एक भवातीत संबंध को प्रकट किया और वह है - गुरु और शिष्य का सम्बन्ध। यह सम्बन्ध इन्द्रियों, भावनाओं और मन की सीमाओं के भीतर नहीं है। जिस प्रकार पति-पत्नी अपनी भावनाओं का परस्पर आदान प्रदान करते हैं, उसी प्रकार गुरु भी शिष्य के साथ अपने ज्ञान, प्रेम और प्रकाश का आदान-प्रदान करता है।

आध्यात्मिक शब्दकोश में शिष्य को चेतना या दीक्षा-पुत्र भी कहते हैं। अध्यात्म के आचार्य को गुरु कहा गया है। जिस प्रकार सूर्य व चन्द्र उदित होकर दिशाओं के समस्त अंधकार का विनाश करते हैं, उसी प्रकार गुरु भी शिष्य के जीवन में अवतरित होकर उसकी प्रसुप्त प्रतिभा को जाग्रत और प्रकाशित करता है। यह सत्य सदा याद रखना चाहिए कि प्रत्येक व्यक्ति स्वयमेव प्रकाश स्वरूप है, दिव्य है। अंधकार और अज्ञान दोनों ही भ्रम हैं। जैसे एक विक्षिप्त व्यक्ति विचित्र व्यवहार करने लगता है, उसी प्रकार मायावश हर आदमी पागलपन करता आ रहा है। फलतः हमने अपनी महानता का ज्ञान खो दिया है। हममें से प्रत्येक के भीतर असीम अंतर्शक्ति है, जिसके सम्बन्ध में हम अनजान बने हुए हैं।

जैसे हनुमान् को अपनी महाशक्ति का स्मरण नहीं था और राम ने प्रत्यक्ष होकर उन्हें उनके आश्चर्यजनक कार्यों की याद दिलाई। उसी प्रकार गुरु शिष्य को बोध देता है कि तुम मात्र हड्डी और माँस के पुतले नहीं हो। इस स्थूल शरीर के पीछे, इन सम्पूर्ण न्यूनताओं, अविद्या पूर्ण विचारों और कार्यों के पीछे चेतना शक्ति है, चैतन्य आत्मा है और वह शक्ति है - प्रकाश, जो हर मनुष्य के जीवन में विद्यमान है।

गुरु और शिष्य के बीच का सम्बन्ध विशिष्ट होता है। यह सम्बन्ध कथनों, परिभाषाओं एवं व्याख्याओं से परे है। यह सम्बन्ध प्रेम, स्नेह और सुरक्षा का है, लेकिन वह इन सब से भी ऊपर और परे है। मनुष्य रूप में दोनों ही दो शरीरधारी हैं; किन्तु गुरु-शिष्य सम्बन्ध का दैहिक, भावनात्मक अथवा ऐन्द्रिक प्रभावों से कोई मतलब नहीं रहता। जहाँ पर शरीर, मन और इन्द्रिय समूह की कोई गति नहीं होती, उस विशिष्ट चेतना स्तर पर ये दोनों परस्पर दिव्य अलौकिक संभाषण करते रहते हैं। क्या आध्यात्मिक विकास में गुरु की सचमुच आवश्यकता होती है? यह प्रश्न सभी युगों में उठाया गया है। कई लोग सोचते हैं कि गुरु जरूरी नहीं है, जबकि अन्य बहुत लोगों का विश्वास है कि गुरु नितान्त आवश्यक हैं। वास्तव में मूल गुरु और भगवान अपने अन्दर ही हैं, लेकिन उन्हें देख और समझ पाना बहुत कठिन है। इसलिए अपने बाहर उनकी प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति की जरूरत होती है। इसी कारण अधिकांश अध्यात्म-साधकों के गुरु शरीर-रूप में होते हैं। इसे दूसरे ढंग से भी कहेंगे। व्यक्ति के अन्दर छिपी हुई दिव्यता का विस्फोट कराने के लिए एक बाहरी विस्फोटक लगाना पड़ता है और वह प्रत्यक्ष प्रकट और प्रचंड विस्फोटक है - गुरु।

गुरु एवं भगवान् ही क्यों, माता, पिता, भाई, पति, पुत्र ये सब भी बाहर नहीं, बल्कि तुम्हारे अपने अन्दर ही हैं। वे हमारी भावनाओं के विभिन्न स्वरूप हैं। उन्हें अभिव्यक्त करने के लिए हमें बाह्य प्रतीक के रूप में माँ, बाप, भाई, पति, पुत्र और शायद शत्रु की भी जरूरत होती है। हाँ, क्योंकि दुश्मनी भी मनुष्य में एक भावनात्मक माध्यम है, एक प्रवाह है।

गुरु या भगवान के साथ सम्बन्ध-सूत्र में बँधे रहने में भी एक तरह की विशेष भावना का अनुभव होता है। भले ही मनुष्य के अन्दर सभी भावनाएँ छिपी हुई हैं, लेकिन उन्हें प्रत्यक्ष प्रकट करने के लिए उसे बाहरी रूप, आकार या स्वरूप की जरूरत होगी ही। इसलिए उसे स्वयं के अलावा माँ, बाप, स्त्री, भाई, बहन, बच्चे और गुरु या भगवान की जरूरत तब तक है, जबतक कि वह अपने में ही अन्तर्निहित प्रत्येक वस्तु को अनुभव से न जान ले। एक बार अपने आन्तरिक गुरु से संपर्क हो जाने के बाद साधक स्वयं आगे बढ़ता जाता है, तब बाहरी गुरु की आवश्यकता नहीं रह जाती।

सृष्टि के आरंभ से ही मनुष्य कोशिश में लगा हुआ है कि बाह्य जीवन से निवृत्त होकर वह अपने अंदर झाँके, आन्तरिक जीवन की गरिमा का अनुभव करे। लेकिन उसे उसकी विधि मालूम नहीं है। कई बार उसने अंदर जाने का ठीक रास्ता खोजा, लेकिन हर बार वह असफल हुआ। फलस्वरूप, उसने निश्चय किया कि आन्तरिक चेतना के लिए उचित मार्गदर्शन की आवश्कता होती है। अतः जिस अनुभवी साधक ने स्वयं अपने मन के गहरे स्तरों का अन्वेषण कर लिया है, वही दिशा निर्देशक हो सकता है। अतः रास्ता सिर्फ वही बता सकता है और वह अनुभवी साधक और मार्गदर्शक ही गुरु होता है। गुरु और शिष्य का सम्बन्ध मुख्यतः गुरु पर निर्भर रहता है। शिष्य के विकास का निश्चय तो उसे ही करना होता है। कुछ शिष्य गुरु को मार्गदर्शक के रूप में देखते हैं, कुछ मित्र भाव से तथा कुछ प्रेरक या भगवान के रूप में देखते हैं।

शिष्य अपने गुरु का चयन हृदय और भावना के अनुसार करे अथवा दिमाग, तर्क और चिन्तन के अनुसार ? हृदय और भावनानुसार। किसी भी वस्तु के चयन में यही होना चाहिए। तुम - फूल खरीदने जाते हो तो बताओ तर्क से पसंद करोगे या भावना से। तुम्हें पसंद है; इसलिए खरीदते हो। यही बात हर चीज में लागू होती है; गुरु के लिए तो निश्चित ही। बुद्धि के तर्क से फैसला करोगे तो तुम्हारे अनेक गुरु हो जायेंगे।

क्या एक से अधिक गुरु बनाना संभव है? एक नाव पर यात्रा करना सदा ही उत्तम होता है। हाँ, बीच में अगर नौका टूट जाये तो दूसरी बात है। एक से अधिक गुरु होने पर उनके विभिन्न निर्देशों से भ्रम और संशय से सम्पूर्ण व्यक्तित्व ग्रस्त हो जायेगा। एक गुरु की मान्यता एक गंभीर मनोविज्ञान पर आधारित है। एक व्यक्ति के आध्यात्मिक सुझाव पर चलने से संशय कम होंगे और उपलब्धि अधिक होगी। तथापि तंत्र के अनुसार गुरु की भी कई श्रेणियाँ हैं, जैसे-मंत्र गुरु, दीक्षा गुरु, साधना गुरु, विद्यागुरु और तंत्र गुरु। ये सभी गुरु तुम बना सकते हो; लेकिन %गुरु% शब्द की सच्ची गरिमा के अनुसार तुम्हारा केवल एक ही गुरु होना चाहिए; जिससे तुम्हारा बहुत गंभीर हार्दिक लगाव हो, वही तुम्हारा गुरु है; बाकी सब तो शिक्षक या आचार्य हैं।

गुरु की कृपा प्राप्त करने के लिए उनके सतत् सम्पर्क में रहना चाहिए। इसके लिए तुम्हें अपने सामाजिक वैभव को ठुकराना पड़ सकता है या फिर भिक्षाटन करना पड़ेगा; लेकिन कोई हर्ज नहीं। गुरु की कृपा चाहते हो तो उनके एकाकी सम्पर्क में रहना ही पड़ेगा। उनकी कृपा मिलेगी या नहीं; यह तो उन्हीं पर निर्भर करता है। अगर तुम किसी भी मूल्य पर, यहाँ तक कि जीवन की सबसे कीमती वस्तु को खोकर भी उनके आन्तरिक सम्पर्क में रहने को तैयार हो तो तुम्हें उनकी कृपा अवश्य मिलेगी।

शिष्य गुरु के ज्ञान की पूर्ति है। गुरु गुलाब के सुन्दर पौधे के सदृश हैं और शिष्य प्रस्फुटित गुलाब। गुरु और शिष्य का सम्बन्ध सम्यक् होना चाहिए - ज्ञान और प्रकाश का संबंध। शिष्य और गुरु भौतिक स्तर पर तो दो भिन्न शरीरों में रहते हैं और दीर्घकाल तक शिष्य को इस देह का उपयोग करना ही पड़ता है; किन्तु यदि शिष्य गुरु की अभिलाषाओं को यथासमय पूर्ण करने हेतु अपने आपको योग्य बना सके तो वह गुरु के ज्ञान की श्रेष्ठ अभिव्यक्ति बन सकता है। इतिहास में इसके अनेक उदाहरण मिलते हैं।

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसे ही विख्यात गुरु और शिष्य हुए हैं। उनके जीवन में हम एक चीज देखते हैं-गुरु के कर्तव्य में असीम धैर्य और शिष्य के कर्तव्य में अटूट लगन। देह और मन की सीमाओं का अतिक्रमण करने तक वे शारीरिक स्तर पर सम्बन्धित होते हैं और इसलिए उन्हें एक-दूसरे की सीमाओं का ख्याल बना रहता है। दृष्टान्त के लिए एक वैज्ञानिक को लें। वह प्रयोगशाला में पदार्थ को ले जाता है तथा उसे अनुकूलित करता है। तत्पश्चात् वह निश्चित प्रक्रिया द्वारा उस पदार्थ को ऊर्जा में बदल देता है। जब वह वैज्ञानिक पदार्थ को ऊर्जा में बदलने की प्रक्रिया को जान लेता है, तब वह उस पदार्थ का %मास्टर% बन जाता है। इसी प्रकार गुरु एक वैज्ञानिक है, शिष्य का शरीर प्रयोगशाला है और उसकी चेतना ही पदार्थ है। शिष्य और गुरु के बीच का सम्बन्ध ही उस चेतना को दिनों-दिन तब तक सूक्ष्म से सूक्ष्मतर बनाता रहता है, जब तक कि वह पदार्थ के स्वभाव का अतिक्रमण न कर जाये।

दूसरी जरूरी बात यह है जिसे लोग शायद न जानते हों कि एक शिष्य हमेशा शिष्य ही रहता है। यहाँ %प्रोमोशन% नहीं है। वह कुछ भी बन सकता है। वह शायद अपने गुरु की आध्यात्मिक उपलब्धियों को भी लाँघ जाये, फिर भी वह शिष्य ही रहेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

लोकतंत्र और न्याय की रक्षा के लिए कांग्रेस का निर्णायक संघर्ष, अशोकनगर में ऐतिहासिक न्याय सत्याग्रह

अशोकनगर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में आज अशोकनगर में न्याय सत्याग्रह का ऐतिहासिक आयोजन किया गया। यह आंदोलन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी पर दर्ज की गई झूठी और दुर्भावनापूर्ण स्न्ढ्ढक्रके विरोध में तथा लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा हेतु किया गया। इस सत्याग्रह ने प्रदेशभर में कांग्रेसजनों, किसानों, आदिवासियों, मजदूरों और युवाओं की आवाज को एकजुट कर प्रशासन और सरकार को स्पष्ट संदेश दिया कि अन्याय के विरुद्ध कांग्रेस पीछे हटने वाली नहीं है।

इस ऐतिहासिक सत्याग्रह में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता प्रदेश के कोने-कोने से अशोकनगर पहुंचे और प्रदेश अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी के साथ गिरफ्तारी दी। इस आयोजन को और अधिक प्रतीकात्मक बनाते हुए प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी एवं प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी स्वयं ट्रैक्टर चलाकर सभा स्थल पर पहुंचे – यह किसानों, श्रमिकों और आम जनता के साथ एकजुटता का स्पष्ट संदेश था। जगह-जगह पर कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी , पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह , प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, सीडब्ल्यूसी सदस्य कमलेश्वर पटेल , सीईसी सदस्य ओमकार मरकाम, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह , पूर्व नेता प्रतिपक्ष डा. गोविन्द सिंह, पूर्व मंत्रीगण जयवर्धन सिंह , लखन घनघोरिया, लाखन सिंह यादव, पी सी शर्मा,

विधायकगण सर्वश्री फुलसिंह बरैया, फुंदेलाल मार्को , दिनेश गुर्जर , सुरेश राजे , सतीश सिकरवार , साहेब सिंह गुर्जर , नितेंद्र सिंह राठौर , पंकज उपाध्याय , मुकेश मल्होत्रा , बाबू जंडेल , देवेंद्र सखवार , कैलाश कुशवाह , केशव देसाई ,

पूर्व विधायक तरवर लोधी, पूर्व विस उपाध्यक्ष हिना कांवरे जी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष राजेन्द्र कुशवाहा एवं ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष कृष्ण पाल यादव सहित, संगठन पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नेतृत्व के महत्वपूर्ण वक्तव्य:

हरीश चौधरी ने कहा: यह सत्याग्रह केवल जीतू पटवारी और गजराज लोधी तक सीमित नहीं है। यह उस विचार का संघर्ष है, जिसकी दिशा राहुल गांधी जी ने तय की है – जहां कोई भी अन्याय का शिकार होगा, कांग्रेस उसकी ढाल बनकर खड़ी होगी।

जीतू पटवारी ने कहा: चाहे 100 एफआईआर कर दो, कांग्रेस का कोई कार्यकर्ता पीछे नहीं हटेगा। यह लड़ाई मेरे ऊपर दर्ज एफआईआर की नहीं, बल्कि दलितों, आदिवासियों, गरीबों और वंचितों के सम्मान और न्याय की है। कांग्रेस का हर सिपाही इस लड़ाई में जान लगा देगा।

उमंग सिंघार ने भाजपा पर करारा हमला बोला: इस सरकार में गरीबों की झोपड़ी पर जेसीबी चलती है, और मंत्रीगण उसी जेसीबी से नोट भरते हैं। जनता को बिजली, किसानों को खाद, युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही। पिछड़ों के नाम पर राजनीति करने वाले उनकी आवाज नहीं सुन रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा: भाजपा की सरकार प्रशासन को अपनी शाखा बनाकर चलाना चाहती है। आज का सत्याग्रह इस बात का प्रतीक है कि कांग्रेस अन्याय, दमन और झूठ के खिलाफ सड़क से सदन तक लड़ेगी और लोकतंत्र की रक्षा करेगी।÷

कांग्रेस नहीं डरेगी – न्याय के लिए आंदोलन जारी रहेगा

अंत में, जीतू पटवारी सहित सभी वरिष्ठ नेताओं और हजारों कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी देकर यह सिद्ध किया कि कांग्रेस अन्याय के विरुद्ध अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करना जानती है और करेगी।

यह सत्याग्रह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक विचार और आंदोलन है – जनता के अधिकारों एवं लोकतंत्र की रक्षा के लिए और न्याय की स्थापना के लिए। मध्यप्रदेश कांग्रेस संकल्पित है। अन्याय के विरुद्ध, जनहित के पक्ष में।

ज्ञानदीप चिकित्सा एवं शिक्षा समिति द्वारा मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम वितरण किया इमरजेंसी पीरियड किट

भोपाल। बुधवार को ज्ञानदीप चिकित्सा एवं शिक्षा समिति ने शासकीय नवीन हायर सेकेंडरी स्कूल चुना भट्टी भोपाल में एक महत्वपूर्ण मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। जिसमें विद्यालय की कक्षा चौथी एवं पांचवी की 150 छात्राओं को निशुल्क इमरजेंसी पीरियड किट का वितरण किया जिससे उन्हें स्वच्छता बनाए रखने में तत्काल सहायता मिल सके7 कार्यक्रम में मासिक धर्म से जुड़े महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पहलुओं, स्वच्छता प्रथाओं और भ्रांतियों पर एक गहन सेमिनार आयोजित किया गया। ज्ञानदीप समिति की यह पहल महिला स्वास्थ्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस कार्यक्रम में संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ ललितेश मित्तल डॉक्टर साक्षी गुप्ता,उमेश्वरी , भारती राज ,स्टेला , विद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ उपस्थिति रहे।

रेलवे के ओवर ब्रिज की सीढ़ियों पर हमेशा गंदगी बनी रहती है

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। नगर औबेदुल्लागंज में रेलवे के ओवर ब्रिज पर राहगीरों के लिए जो सीढ़ियां बनाई गई है उन सीढ़ियो पर हमेशा गंदगी बनी रहती है नगर औबेदुल्लागंज के सबसे बड़े वार्ड कहे जाने वाले अर्जुन नगर, हिरानिया के रेहवासी यहां से निकलना मुश्किल हो रहा है वहीं गुरुवार दिन नगर का साप्ताहिक बाजार लगता माताएं बहने बाजार करने जाती है उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है वही सुरा प्रेमी सीढ़ियो पर बैठकर शराब का सेवन करते हुए दिखाई देते हैं छोटे बच्चे स्कूल जाते है उन्होंने बताया कि गंदगी के कारण हमारी ड्रेस वगैरा, जूते सब खराब हो जाते हैं ब्रिज की सीढ़िया पर हमेशा गंदगी बनी रहती है हमें निकलने में मुश्किल का सामना करना पड़ता है द्य इस और नगर परिषद का कई ध्यान नहीं लोगों का कहना है कि ओवर ब्रिज की सीढ़ियो पर बैठकर शराब का सेवन करने वाले लोगों पर प्रशासन को कार्यवाही चाहिए द्य खबर में वर्जन के लिए नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सोनू चौकसे को फोन लगाया तो उन्होंने तुरंत संज्ञान लेते हुए ब्रिज की सीढ़ियो की नगर परिषद कर्मचारी के द्वारा सफाई कर वाई गई।

राज्यसभा सांसद नारोलिया की निधि से 28 हितग्राहियों को इलाज में आर्थिक सहायता

सांध्य प्रकाश, नर्मदापुरम। राज्य सभा सांसद माया नारोलिया की अनुशंसा पर राज्यसभा सांसद स्वेच्छानुदान से 28 हितग्राहियों को इलाज हेतु क्रमशः 5--5 हजार रुपए की कुल 1 लाख 40 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्यसभा सांसद निधि से भोपाल के बने सिंह, अर्जुन वर्णवाल, संदीप दहिया, सुनील अतुलकर, प्रमोद कुमार, जगदीश सिंह, निर्मला बैरागी, संजय अट्टू, रामगोपाल, जया बहादुर, लोकेंद्र मेवाडा, अमन लोहट, सागर स्नेही, चंद नागवंशी, सुरेश मेहरा, सोहन मेवाड़ा, विनोद सिसोदिया, मुकेश कुमार को इलाज हेतु 5-- 5 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसी क्रम में नेहरू गंज इटारसी की सरिता राजपूत, खुशबू राजपूत, सोहागपुर की महक, टिमरनी के देवेंद्र चौधरी, सिवनी मालवा की मनीषा राठौड़, जितेंद्र राठौर, बाबई की सीमा वर्मा, जबलपुर के राजीव कांत पांडे, भोपाल की पूजा पांडे एवं प्रशांत उपाध्याय को इलाज हेतु 5--5 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 196 आवेदनों पर हुई सुनवाई

छतरपुर। मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला पंचायत अपर कलेक्टर मिलिंद नागदेवे की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनसुनवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर विशा माधवानी, कौशल सिंह, एसडीएम अखिल राठौर एवं विभागीय जिलाधिकारी उपस्थित रहे और व्हीसी के माध्यम से जिले के अनुभागों के एसडीएम एवं तहसीलदार जुड़े रहे। जनसुनवाई में प्राप्त 196 शिकायती आवेदनों का परीक्षण करते हुये एडीएम ने संबंधित विभाग को आवेदन निराकरण करने के लिए निर्देशित किया एवं समस्याओं को सुना। जनसुनवाई में शिक्षा, राजस्व, पुलिस, नगरीय निकाय, ग्रामीण विकास, विद्युत मण्डल, स्वास्थ्य, खाद्य, आदिम जाति, श्रम, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न शिकायती आवेदन प्राप्त हुए। साथ ही एडीएम ने जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि प्राप्त आवेदनों का प्रमुखता के साथ निराकरण करें।

10 दिन में दूसरी बार जबलपुर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

ई-मेल में मोहर्रम ब्लास्ट का जिक्र

जबलपुर। जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट को एक बार फिर धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ है। इसमें एक अज्ञात शख्स ने पवित्र मोहर्रम ब्लास्ट (Sacred Moharram Blast) का जिक्र किया। यह मेल मिलने के बाद एयरपोर्ट प्रबंधन, स्थानीय पुलिस, बम डिटेक्शन स्क्वाड (BDS), और CISF (Central Industrial Security Force) के जवानों में हड़कंप मच गया।

एयरपोर्ट के अधिकारियों ने तुरंत सभी सुरक्षा बलों को अलर्ट कर दिया। साथ ही एयरपोर्ट परिसर की तलाशी शुरू की। तलाशी देर रात तक चली, लेकिन किसी भी संदिग्ध वस्तु का पता अभी तक नहीं चल पाया है। इस घटना ने एक बार फिर सुरक्षा की चिंताओं को बढ़ा दिया है। धमकी भरा ईमेल इमाम हुसैन अली (Imam Hussain Ali) नामक आउटलुक आईडी से भेजा गया है। मेल में जिन नामों का उल्लेख किया गया, उनमें एम. गुनासेकरन, जीवा सगप्तम वैश्यू, सेथिल वेल, माइनर, नैनिका कोवन, शिवदास और सुमी पापा शामिल है।एयरपोर्ट प्रबंधन और सुरक्षा बलों की टीम लगभग 8 घंटे से जांच कर रही है।

साथ ही, बीडीएस टीम एयरपोर्ट के भीतर और बाहर पूरे परिसर को खंगाल रहा है। हालांकि, अभी तक कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली।पुलिस ने मेल में दिए गए नामों की जांच की, लेकिन कोई भी नाम एयरपोर्ट के यात्री सूची में नहीं मिला। विमान कंपनियों से भी यात्रियों की जानकारी मांगी गई, लेकिन मेल में उल्लिखित नामों से मेल खाने वाला कोई यात्री नहीं था।

पहले भी मिल चुकी है धमकी

यह पहली बार नहीं है जब डुमना एयरपोर्ट को धमकी मिली हो। इससे पहले, 29 जून को भी डुमना एयरपोर्ट को एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ था। उसके बाद एयरपोर्ट प्रबंधन ने खमरिया थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। उस घटना के 10 दिन पहले भी ऐसा ही एक मेल आया था। इसके बाद एयरपोर्ट को खाली कराकर बीडीएस टीम ने लगभग तीन घंटे तक तलाशी ली थी, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

अन्य 40 एयरपोर्ट्स को भी मिले धमकी भरे मेल

यह धमकी केवल जबलपुर तक ही सीमित नहीं है। इस बार देश के अन्य 40 एयरपोर्ट्स को भी धमकी भरे ईमेल भेजे गए हैं। एक मेल में लिखा है कि एयरपोर्ट के आसपास पैक बैग में शक्तिशाली विस्फोटक छिपे हैं। मेल में यह भी चेतावनी दी गई है कि अगर इमारतें समय पर खाली नहीं की गईं, तो अंदर मौजूद लोग मारे जा सकते हैं या अपने अंग खो सकते हैं।

अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज

खमरिया थाना प्रभारी सरोजिनी टोप्पो ने बताया कि एयरपोर्ट प्रबंधन की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। ईमेल में आरडीएक्स (आरडीएक्स) और आईईडी (Improvised E&plosive Devices) का जिक्र किया गया था। वहीं मामले की जांच अभी जारी है।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम ANA KHALID था जो कि अब मेरा नाम परिवर्तित हो कर ANA KHAN हो गया है अतः भविष्य में मुझे मेरे नये नाम ANA KHANके नाम से जाना व पहचाना जायें।

पताः Sanjay Ward Seoni, mp

नाम परिवर्तन

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि पूर्व, में मेरा नाम VAiBHAV BHANGU था जो कि अब मेरा नाम परिवर्तित हो कर VAIBHAV KUMAR JAIN S/o RAJENDRA KUMAR JAIN हो गया है अतः भविष्य में मुझे मेरे नये नाम VAIBHAV KUMAR JAIN S/O RAJENDRA KUMAR JAIN के नाम से जाना व पहचाना जायें।

पताः 138 Shubhash Marg Shahar Saray Ratlam ,M P

पिछड़ा वर्ग का 13 प्रतिशत आरक्षण होल्ड कर पिछड़ा वर्ग की रोकी गई भर्तियों के विरोध में

ओबीसी महासभा मप्र के सभी जिला मुख्यालयों पर 10 को करेगी प्रदर्शन

भोपाल मध्यप्रदेश में सरकार के द्वारा 2019 से पिछड़ा वर्ग के 13 प्रतिशत आरक्षण को होल्ड कर रखा हे जिसमें मध्यप्रदेश की विभिन्न भर्तियों में लगभग पिछड़ा वर्ग के 27865 अभ्यर्थी प्रभावित हे जो चयनित होने के बाद भी आज दर दर भटक रहे हे सरकार 13 प्रतिशत आरक्षण होल्ड हटाए ओर उन्हें शीघ्र नियुक्ति दे लेकिन सरकार कोर्ट के माध्यम से पिछड़ा वर्ग को गुमराह कर रही हे जबकि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कह दिया हे कि हमारी तरफ से कोई रोक नहीं हें जिसके बाद भी सरकार लागू नहीं कर रही हे।सरकार जिन वकीलों को केस में पैरवी करने के लिए जनता के टैक्स का पैसा दे रही हे वहीं वकील कोर्ट में पिछड़ा वर्ग के विरोध में कार्य कर रहे हे इन्हीं घटनाओं को देखते हुए ओबीसी महासभा ने 10 जुलाई को संपूर्ण मध्यप्रदेश में 13 प्रतिशत होल्ड के विरोध में सभी जिला मुख्यालयों पर ज्ञापन प्रदर्शन करने का ऐलान किया हे जिसमें पिछड़ा वर्ग एवं पिछड़ा वर्ग की कई जातियों के संगठनों ने अपने लेटर जारी कर समर्थन दिया हे और कई आरक्षण हितैषी संगठनों ने भी समर्थन दिया हे सरकार यदि आगामी 7 दिनों में 13 प्रतिशत होल्ड हटाकर नियुक्तियां जारी नहीं करती हे तो मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा यह जानकारी प्रेस वार्ता कर ओबीसी महासभा कोर कमेटी सदस्य महेंद्र सिंह लोधी, पुरषोत्तम लोधी भोपाल जिला अध्यक्ष हुकुम सिंह कुशवाहा कार्यकारी जिला अध्यक्ष एवं चयनित अभ्यर्थियों ने जानकारी दी

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, BHOPAL
Engineering Department
Notice Inviting e-Tenders

date:- 04.07.2025

Online percentage/item rate bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria:

S. No	Tender ID	Name of Work	Probable Amount of Contract (Rs.)	Earnest Money Deposit (EMD) (In Rs)	Cost of Bid Document (In Rs)	Period of Completion (in Months)	SOR
1	2025_ UAD_ 435131_1	COVERING OF DRAIN FROM KAILASH DAIRY TO ONE TREE HILLS END AT WARD 04 ZONE 01 SANT HIRDARAM NAGAR	393549/-	3935/-	2000/-	02 Months	MP UADD ISSR 2021

1. Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in/
2. The Bid Document can be purchased only online from 10:30 A.M. (time) 05.07.2025 (date) to 17:30-P.M. (time) 21.07.2025 (date).

सहायक यंत्री (सिविल)
जोन क्रं. 01 नगर पालिक निगम, भोपाल

T.N. 1902/024/025

कार्यालयं नगर पालिका परिषद बैतूल (म.प्र.)

क्रमांक/लो.नि.शा./ई./4067 से 4069 बैतूल दिनांक 03/07/20025

ई-टेन्डर आमंत्रण सूचना
(प्रथम/द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना)

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखा जा सकता है।

क्रं.	ऑन लाईन निविदा क्र.	कार्य का विवरण	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की
1	2025_ UAD_ 434414_1	CONSTRUCTION OF RCC DRAIN WITH SLAB IN GOTHI BAGICHA AREA IN MOTI WARD BETUL	1-55 Days 2-1492079/-	1-2000/- 2-11200/-	04/08/2025
2	2025_ UAD_ 434415_1 2d call	CONSTRUCTION OF BT ROAD IN DIFFERENT GALIS IN PATEL WARD BETUL	1-60 Days 2-1904553/-	1- 2000/- 2-14300/-	04/08/2025
3	2025_ UAD_ 434416_1 1" call	CONSTRUCTION OF BT ROAD FROM PANI TANKI TO ??IN ROAD CHATRAPATI SCHOOL AND DIFFERENT LOCATION IN KIDWAI WARD BETUL	1-60 Days 2-2284130/-	1-5000/- 2-17100/-	04/08/2025

नोटः-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https:// mptenders. gov. in/ nicgep/app की वेबसाईड पर ही किया, जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बैतूल बैतूल

गर्मी भर चला सफाई अभियान फिर भी दमोह नगर पालिका के वार्ड पानी ही पानी

भाजपा पार्षद ने कहा जैसे नेता फोटो खिंचवाते हैं वह काम अब अधिकारी कर रहे हैं , जनता परेशान हो रही

दमोह। कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के दिन मंगलवार को वार्ड पार्षदों के नेतृत्व में वार्ड वासी अपनी समस्या को लेकर कलेक्ट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा इस दौरान वार्ड पार्षदो ने कहा की समस्याओं के निराकरण नहीं होने पर सड़क पर बैठकर प्रदर्शन करेंगे इस दौरान नारेबाजी कर समस्याओ से अवगत कराया पीएम आवास योजना का लाभ नहीं नहीं मिला आदिवासी वस्ती के लोग बारिश में परेशान हैं, पीएम आवास की पहली किस्त मिलने के बाद दीवारें खड़ी करा लीं इसके बाद किस्तें नहीं मिलीं, तीन-चार साल से दीवारें खड़ी हैं

दमोह नगर पालिका के धरमपुरा वार्ड नंबर 39 के पार्षद ने समस्याएं सुनाते हुए ज्ञापन सौंपा।

शहर के धरमपुरा वार्ड के पार्षद प्रतिनिधी यशपाल ठाकुर ने एडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए कहा वार्ड के आदिवासी वस्ती के लोग बारिश में परेशान हैं, पीएम आवास की पहली किस्त मिलने के बाद दीवारें खड़ी करा लीं इसके बाद किस्तें नहीं मिलीं, तीन-चार साल से दीवारें खड़ी हैं

अब दीवारें भी बारिश में गिर जाएंगी फिर अधिकारी बोलेंगे निर्माण नहीं कराया, हम चाहते हैं कि हितग्राहियों के खाते में किस्तें डलवाई जाएं। नगर पालिका में दस हजार और 15 हजार मिल जाते हैं तो किस्त डल जाती है। एडीएम से कहा कलेक्टर से बात करके समस्या का निराकरण कराया जाए। या कारण बताया जाए कि क्यों नहीं हो रही समस्या हल,जनता हमारे पास समस्या लेकर आती है यदि समस्या हल नहीं हुई तो जनता के साथ कलेक्टोरेट में बैठेगें यहां आपत्ति होने पर बाहर सड़क पर घंटाघर पर बैठेंगे। उन्होंने नगर पालिका में कामों को लेकर 10-20 प्रतिशत कमीशन के आरोप लगाए। नाला सफाई को लेकर कहा नगर पालिका सफाई का डिंडोरा पीटती रही और ऐसी सफाई हुई की तेज बारिश में पूरा शहर डूब गया ऐसी स्थिति को कभी नहीं हुई। इसके पहले लोगों ने नगर पालिका की तानाशाही नहीं चलेगी नहीं चलेगी के नारे लगाए। इस मौके पर बड़ी संख्या में वार्डवासी शामिल रहे। पीएम आवास किस्तों के अलावा अन्य समस्याओं से अवगत कराया।

इस दौरान बजरिया वार्ड नंबर 4 की पार्षद भी कलेक्ट्रेट पहुंची और ज्ञापन सौंपा

पार्षद हिमानी पारोचे ने कहा कि वार्ड में सड़क नहीं बनवा पा रहे हैं, कीचड़ से लोग निकल रहे हैं, जब कलेक्टर आए थे तो उन्होंने आश्वासन दिया था कि समस्या हल करवाएंगे, रोड़, नाली की समस्या वार्ड में बनी लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ, है। 86 एकड़ का वार्ड है जिसमें केवल तीन सफाई कर्मचारी हैं। नालियां चोक हैं, पानी भर रहा है बारिश में मकान गिर रहे हैं। नगर पालिका से कोई काम नहीं कराया जा रहा है। वार्ड के लोगों को राशन नहीं मिल रहा है। मजदूरी करके भरण पोषण कर रहे हैं। गरीबों को लाभनहीं मिल रहा है जिन्हें जरूरत नहीं उन्हें लाभ दिया जा रहा है। इस दौरान बड़ी तादाद में वार्डवासी मौजूद रहे।

एमएचके इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग संस्थान में स्टूडेंट बी एम ए चैप्टर प्रारंभ

भोपाल। मुंशी हुसैन खान इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग संस्थान में भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन का स्टूडेंट चैप्टर का उद्घाटन अध्यक्ष राजेश तिवारी ने किया, उन्होंने कहा कि छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान के साथ विशेषज्ञ फैकल्टी द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा ओर औद्योगिक इकाईयों में भ्रमण कराया जाएगा ताकि उन्हें अनुभव हो जाए कि व्यवसायिक कौशल क्या होता है बीएमए मानद सचिव शंकरण ने बी एम ए की गतिविधियों से अवगत कराया और प्रेरक वक्ता शैलेन्द्र ओझा ने भी छात्रों को संबोधित किया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डॉक्टर सैय्यद इफ्तखार अली सचिव इक़बाल मसूद प्रिंसिपल एस एल बाथवी बीएमए सदस्य जीसी चौकसे भारत कोठारी सुधीर चंद जैन बीएमए मैनेजर आमिरखान भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उमेर पाशा ने किया।

सोनालीका ने अब तक की क्यू1 में सर्वाधिक कुल 43,603 ट्रैक्टरों की बिक्री के साथ वित्त वर्ष 2026 को मज़बूत गति प्रदान की

नई दिल्ली। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड, सोनालीका ट्रैक्टर्स अपने हेवी ड्यूटी ट्रैक्टरों द्वारा नए मानक स्थापित करने के लिए जाना जाता है, जो किसानों को बेहतर उत्पादकता और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अनुकूलित हैं। इस दृष्टिकोण ने कंपनी को अप्रैल-जून 2025 के दौरान कुल 43,603 ट्रैक्टरों के साथ अब तक की सर्वाधिक क्यू1 बिक्री दर्ज करने में मदद की है। यह महत्वपूर्ण छलांग हर किसान के लिए %दम आगे बढ़ने का' वादा और 20-120 एच पी ट्रैक्टर सेगमेंट में कंपनी की अत्याधुनिक इंजीनियरिंग क्षमताओं का प्रमाण है। देश भर में मॉनसून के कारण खरीफ की बुआई में पिछले साल के आंकड़ों की तुलना में ज़बरदस्त वृद्धि देखी जा रही है। सोनालीका सुनिश्चित करता है कि हर किसान को उसकी फसल और मिट्टी की ज़रूरत के अनुसार उत्पाद मिले। कंपनी के पास 400 से ज़्यादा कुशल इंजीनियरिंग विशेषज्ञ हैं जो सबसे उन्नत तकनीक से चलने वाले ट्रैक्टर विकसित करने के लिए हर किसान की प्रतिक्रिया पर कार्य करते हैं। सोनालीका का हर हेवी ड्यूटी ट्रैक्टर उच्चतम गुणवत्ता मानकों को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक रोबोटिक और ऑटोमेशन तकनीकों का उपयोग करके विकसित किया गया है। पंजाब के होशियारपुर में कंपनी दुनिया के नंबर 1 एकीकृत ट्रैक्टर निर्माण प्लांट में हर 2 मिनट में एक नया ट्रैक्टर बनाती है।

महिंद्रा फुरियो 8- हल्के वाणिज्यिक वाहनों की श्रेणी में गारंटीकृत सर्वाधिक माइलेज और सर्वाधिक मुनाफा देने वाला ट्रक

मुंबई, एजेंसी। महिंद्रा ग्रुप की इकाई, महिंद्रा ट्रक एंड बस ने अपने आधुनिक हल्के वाणिज्यिक वाहन रेंज महिंद्रा फुरियो 8 को औपचारिक रूप से बाजार में लॉन्च किया है। यह ट्रक एक अनूठी गारंटी के साथ आता है - सबसे ज्यादा माइलेज नहीं मिला तो ग्राहक ट्रक वापस कर सकते हैं। चाकण (महाराष्ट्र) स्थित महिंद्रा की अत्याधुनिक निर्माण इकाई में निर्मित फुरियो 8दो वेरिएंट में उपलब्ध है - 4-टायर कार्गो और 6-टायर कार्गो, जो एलसीवी श्रेणी में विभिन्न व्यवसायों की जरूरतों को पूरा करते हैं। अधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया यह ट्रक सर्वोत्तम माइलेज, अधिक पेलोड क्षमता और उन्नत केबिन के साथ आता है, जो ड्राइवर को आराम, सुविधा और सुरक्षा प्रदान करता है।

अमेजन प्राइम डे 2025- एलेक्सा, फायर टीवी और किंडल पेपरव्हाइट के साथ इको स्मार्ट स्पीकर पर 50 प्रतिशत तक की छूट

मुंबई। अमेजन इंडिया की प्राइम डे शॉपिंग इवेंट फिर से शुरू हो रही है, जिसमें प्राइम सदस्यों को तीन दिनों, यानी 12 जुलाई 12 एएम से 14 जुलाई तक आकर्षक ऑफर एवं डील्स मिलेंगी। 72 घंटों की इस शॉपिंग इवेंट में अमेजन डिवाइसेज़ पर शानदार ऑफर दिए जा रहे हैं। एलेक्सा -इनबेल्ट इको स्मार्ट स्पीकर, स्मार्ट डिस्प्ले, फायर टीवी स्ट्रीमिंग स्टिक और लेटेस्ट किंडल पेपरव्हाइट तक हर डिवाइस बहुत ही आकर्षक ऑफरों के साथ मिल रही है। इसलिए स्मार्ट होम का सेट-अप करना हो, मनोरंजन सेटअप को अपग्रेड करना हो, या कोई किताब पढ़ना हो, इस शॉपिंग इवेंट में हर रुचि के लोगों को बेहतरीन डील्स मिलेंगी। अमेजन का अब तक का सबसे तेज किंडल, ऑल-न्यू किंडल पेपरव्हाइट आपको कहानियों की दुनिया में ले जाएगा। 7-इंच के ग्लेयर-फ्री डिस्प्ले, 25 प्रतिशत अधिक तेज पेज टर्न और सिंगल चार्ज में 12 सप्ताह तक की बैटरी लाइफ के साथ, अमेजन का यह नयाई-रीडर अब तक के सभी पेपरव्हाइट से बेहतर परफॉर्मेंस प्रदान करता है।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने लॉन्च किया एचडीएच वेव 5 - डिज़ाइन-फॉरवर्ड भारतीय घरों के लिए लक्ज़री डोर हैंडल्स का नया युग

मुंबई। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल सॉल्यूशंस व्यवसाय ने आज एचडीएच वेव 5 के लॉन्च की घोषणा की। यह भारत में तेजी से बढ़ रहे डिज़ाइन-प्रेमी उपभोक्ताओं के लिए 100 प्रतिशत पीतल से निर्मित डेकोरेटिव हैंडल्स की एक उन्नत श्रृंखला है। डिज़ाइन, प्रेसिजन इंजीनियरिंग और टिकाऊपन के मिशन के साथ, एचडीएच वेव 5 कलेक्शन में चार आधुनिक हैंडल डिज़ाइन शामिल हैं - एचडीएच 20, 21, 22 और 23, जिनमें से प्रत्येक को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय डिज़ाइन मूवमेंट्स जैसे नियो लग्ज़री, अर्बन शीक, यूरो और मॉडर्न मिनिमलिज़्म से प्रेरणा मिली है।

भोपाल में शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की महत्वपूर्ण पहल की

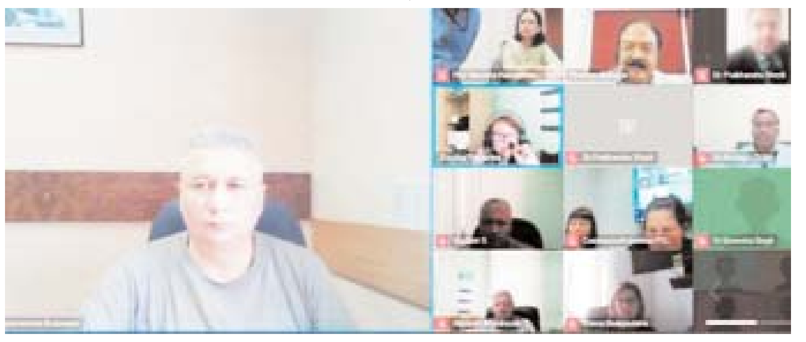

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। फेडरेशन ऑफ एमपी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफएमपीसीसीआई) द्वारा आयोजित एक वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से भोपाल के प्रमुख विश्वविद्यालयों और रूस के स्मोलेंस्क शहर के विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक आदान-प्रदान के विभिन्न बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई। इस बैठक का उद्देश्य दोनों देशों के शैक्षणिक संस्थानों के बीच दीर्घकालिक सहयोग, ज्ञान साझा करना, और वैश्विक स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना रहा।

भोपाल के प्रतिनिधि संस्थानों की भागीदारी

इस मीटिंग में भोपाल के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिनमें शामिल थे आईईएस विश्वविद्यालय से चांसलर बी.एस. यादव एवं डायरेक्टर प्रो. मनीषा कावथकर, सेज विश्वविद्यालय से रजिस्ट्रार डॉ. नवीन ढ़िंगरा, डॉ. शैफाली त्रिपाठी एवं डॉ. आरती उपाध्याय, एलएनसीटी विश्वविद्यालय से डायरेक्टर डॉ. अनुपम चौकसे, जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय से चेयरमैन अभिषेक मोहन गुप्ता, राजमाता सिंधिया एग्रीकल्चर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट, ग्वालियर से डॉ. अखिलेश सिंह, ट्रूबा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट से डायरेक्टर श्याम राठौर।

रूस की प्रमुख यूनिवर्सिटीज़ की भागीदारी

स्मोलेंस्क (रूस) की कई प्रमुख यूनिवर्सिटीज़ और संस्थानों ने इस वर्चुअल मीटिंग में भाग लिया। जिनमें मुख्य रूप से शामिल थे स्मोलेंस्क ब्रांच ऑफ द रशियन इकोनॉमिक यूनिवर्सिटी, स्मोलेंस्क स्टेट यूनिवर्सिटी, स्मोलेंस्क ब्रांच ऑफ द रिसर्च यूनिवर्सिटी (मॉस्को पॉवर इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट), स्मोलेंस्क ब्रांच ऑफ द फायनेंशियल एकेडमी अंडर द गवर्नमेंट ऑफ द रशियन फेडरेशन, स्मोलेंस्क इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक्स (सेंट पीटर्सबर्ग यूनिवर्सिटी की ब्रांच), स्मोलेंस्क स्टेट एग्रीकल्चरल एकेडमी।

शैक्षणिक सहयोग के प्रमुख बिंदु

इस वर्चुअल संवाद में इन बिंदुओं पर आपसी सहमति बनी। शॉर्ट ऑनलाइन कोर्स शुरू करना, समर स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम, डिग्री एवं ड्यूल डिग्री प्रोग्राम्स, प्रोफेशनल्स के बीच संयुक्त वैज्ञानिक अनुसंधान (ज्वाइंट साइंटिफिक रिसर्च प्रोग्राम), हेकाथॉन एवं स्टार्टअप गतिविधियों का आदान-प्रदान

भविष्य की दिशा

एफएमपीसीसीआई की इस पहल से न केवल मध्यप्रदेश के विश्वविद्यालयों को वैश्विक मंच मिलेगा, बल्कि छात्रों और शिक्षकों को वैश्विक परिप्रेक्ष्य, संस्कृति और अकादमिक नवाचार से जुड़ने का सुनहरा अवसर भी प्राप्त होगा। इस वर्चुअल बैठक को एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है, जो भारत-रूस शिक्षा संबंधों को नई दिशा देने में मील का पत्थर साबित हो सकता है। आने वाले समय में दोनों देशों के छात्र और संस्थान एक-दूसरे से जुड़े रहेंगे और शिक्षा, शोध व नवाचार के क्षेत्र में सहयोग को और सशक्त बनाएंगे।

ट्रंप के टैरिफ से बांग्लादेश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री को झटका, भारत के लिए ग्लोबल हब बनने का सुनहरा अवसर

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बांग्लादेश से आने वाले टेक्सटाइल उत्पादों पर 35 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले ने वैश्विक कपड़ा बाजार में हलचल मचा दी है। इस फैसले से जहां बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को झटका लगा है, वहीं भारत के सामने एक बड़ा अवसर आ खड़ा हुआ है। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से टेक्सटाइल सेक्टर पर टिकी हुई है, जो देश के कुल निर्यात का लगभग 80 प्रतिशत है और करीब 40 लाख लोगों को रोजगार देता है। लेकिन अब अमेरिकी बाजार में बांग्लादेशी कपड़े महंगे हो जाने के कारण वहां की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता घट जाएगी और यह उनके उद्योग के लिए एक बड़े संकट का कारण बन सकता है। दूसरी ओर, भारत इस स्थिति का भरपूर फायदा उठाने की स्थिति में है। भारत पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े टेक्सटाइल उत्पादक देशों में शामिल है। यहां पर हर श्रेणी के कपड़े सस्ते टी-शर्ट से लेकर उच्च गुणवत्ता वाले सूट्स तैयार किए जाते हैं। भारत में स्किल्ड वर्कफोर्स, एडवांस मशीनरी और बड़े पैमाने पर उत्पादन की व्यवस्था पहले से मौजूद है। यही विशेषताएं भारत को वैश्विक टेक्सटाइल बाजार में मजबूती से स्थापित करने की क्षमता रखती हैं। ट्रंप की टैरिफ नीति के चलते अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स अब बांग्लादेश के विकल्प की तलाश कर रहे हैं और भारत इस खाली स्थान को भरने के लिए सबसे उपयुक्त देश के रूप में उभर रहा है। इस फैसले ने भारत के लिए न सिर्फ निर्यात बढ़ाने बल्कि लाखों नए रोजगार सृजित करने का अवसर भी प्रदान किया है। यदि केंद्र सरकार इस मौके को ध्यान में रखते हुए सही नीतिगत फैसले लेती है, जैसे कि टेक्सटाइल इंडस्ट्री को सब्सिडी, उत्पादन प्रोत्साहन और निर्यात सहायता प्रदान करती है, तो भारत जल्द ही मेड इन इंडिया टैग के साथ ग्लोबल मार्केट में टेक्सटाइल हब बन सकता है। कुल मिलाकर, बांग्लादेश पर लगाया गया यह भारी-भरकम टैरिफ भारत के लिए एक बंपर लॉटरी जैसा साबित हो सकता है। अब यह भारत की उद्योग नीति, रणनीतिक योजना और उत्पादन क्षमता पर निर्भर करता है कि वह इस मौके को किस हद तक स्थायी सफलता में बदल पाता है।

महावतार नरसिम्हा का ट्रेलर कल वृंदावन होगा लॉन्च

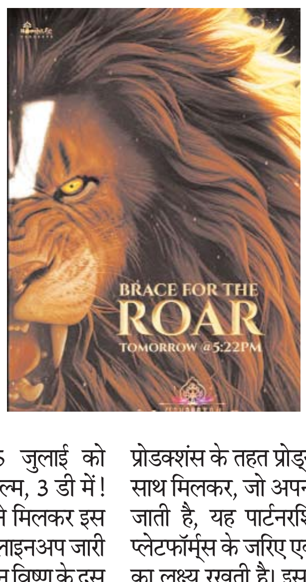

मुंबई। महावतार नरसिम्हा सिनेमा की भव्यता को एक नया आयाम देने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसकी ग्रैंडनेस, दमदार विजुअल्स और जबरदस्त कहानी ने पहले से ही दर्शकों की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। इस तरह से महावतार सिनेमैटिक यूनिवर्स के ऐलान के बाद अब जोश और भी ज़्यादा है, क्योंकि महावतार नरसिम्हा का मचनवेटेड ट्रेलर गुरुवार को रिलीज़ होने जा रहा है, शाम 5.22 बजे और वो भी पावन भूमि वृंदावन में। मेकर्स ने इस खास मौके की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा है तैयार हो जाइए गर्जना के लिए। महावतार नरसिम्हा का ट्रेलर रिलीज होगा। 25 जुलाई को सिनेमाघरों में दहाड़ते हुए आ रही है ये फिल्म, 3 डी में! होम्बले फिल्म्स और क्लीम प्रोडक्शन्स ने मिलकर इस ग्रैंड एनिमेटेड फ्रेंचाइज़ी की आधिकारिक लाइनअप जारी कर दी है, जो अगले एक दशक तक भगवान विष्णु के दस दिव्य अवतारों की गाथा बताएगी। इस यूनिवर्स की शुरुआत होगी महावतार नरसिम्हा (2025) से, इसके बाद आएंगे महावतार परशुराम (2027), महावतार रघुनंदन (2029), महावतार द्वारकाधीश (2031), महावतार गोकुलानंद (2033), महावतार कल्कि पार्ट 1 (2035) और महावतार कल्कि पार्ट 2 (2037)। ये यूनिवर्स भारतीय माइथोलॉजी को नई तकनीक और भव्यता के साथ दर्शकों के सामने पेश करेगा।

महावतार नरसिम्हा का डायरेक्शन अश्विन कुमार ने किया है, और इसे शिल्पा धवन, कुशल देसाई, और चैतन्य देसाई ने कलीम प्रोडक्शंस के तहत प्रोड्यूस किया है। होम्बले फिल्म्स के साथ मिलकर, जो अपनी आकर्षक कंटेंट के लिए जानी जाती है, यह पार्टनरशिप अलग- अलग एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स के जरिए एक सिनेमाई मास्टरपीस पेश करने का लक्ष्य रखती है। इस फिल्म को शानदार विजुअल्स, सांस्कृतिक विविधता, बेहतरीन फिल्म तकनीक, और मजबूत कहानी के साथ, 3 डी और पांच भारतीय भाषाओं में 25 जुलाई को रिलीज़ किया जाएगा।

जांच ब्यूरो ने शुरुआती निष्कर्षों पर अहमदाबाद विमान हादसे की पहली रिपोर्ट सरकार को सौंपी

अहमदाबाद। विमान हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने 26 दिन बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय और संबंधित अधिकारियों को सौंप दी। यह रिपोर्ट जांच के शुरुआती निष्कर्षों पर आधारित है। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने एआई 171 विमान दुर्घटना की जांच की। जांच के बाद एक शुरुआती रिपोर्ट तैयार की गई, यही रिपोर्ट नागरिक उड्डयन मंत्रालय को दी गई। 12 जून को लंदन जाने वाली एयर इंडिया की बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद एक हॉस्टल से टकरा गई थी। इस हादसे में विमान में सवार 241 लोगों की जान चली गई थी। हालांकि, एक यात्री चमत्कारिक रूप से बच गया था। ब्लैक बॉक्स 13 जून को दुर्घटना स्थल से बरामद किया गया। ब्लैक बॉक्स एक ऐसा उपकरण होता है जो विमान की उड़ान के दौरान की सभी गतिविधियों को रिकॉर्ड करता है। इससे हादसे के कारणों का पता लगाने में मदद मिलती है। नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने बताया था कि अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान हादसे की ब्लैक बॉक्स की जांच भारत में ही हो रही है। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो इसकी जांच कर रहा है। मंत्री ने उन खबरों को गलत बताया जिनमें कहा जा रहा था कि ब्लैक बॉक्स को जांच के लिए विदेश भेजा गया है। नायडू ने कहा ब्लैक बॉक्स भारत में ही है और इसकी जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो द्वारा की जा रही है। उन्होंने साफ कहा कि ब्लैक बॉक्स को विदेश नहीं भेजा गया। जब उनसे पूछा गया कि ब्लैक बॉक्स से डेटा निकालने में कितना समय लगेगा, तो नायडू ने कहा कि यह एक तकनीकी मामला है। यह भी कहा कि सरकार ने इस घटना के कारणों की जांच के लिए एक उच्च-स्तरीय पैनल बनाया है।

कल से ओपन होगा स्मार्टवर्क्स का आईपीओ, कंपनी के कामकाज और फाइनेंशियल ग्रोथ एक नजर में

नई दिल्ली। स्मार्टवर्क्स ने भारत में वर्कस्पेस कल्चर को नए लेवल पर पहुंचाया है। दरअसल यह कंपनी खासतौर पर तेजी से बढ़ती मजबूत कंपनियों को होटल जैसी सुविधाओं वाला ऑफिस स्पेस मुहैया कराती है। इसमें वाईफाई, केबिन, कॉन्फ्रेंस हॉल के साथ-साथ जिम, रेस्टोरेंट, ग्रॉसरी और लॉन्ड्री जैसी सुविधाएं शामिल होती हैं। वही यह बिजनेस मॉडल आज के दौर में कंपनियों की जरूरत के मुताबिक तैयार किया गया है। ऐसे में इस आईपीओ से मिलने वाले फंड से कंपनी विस्तार और टेक्नोलॉजी पर फोकस बढ़ाएगी। दरअसल स्मार्टवर्क्स की शुरुआत 2016 में हर्ष बिनानी और नीतिश सारदा ने मिलकर की थी। इनका मकसद था भारत में भी ऐसा स्मार्ट ऑफिस कल्चर लाना, जैसा उन्होंने विदेश में पढ़ाई के दौरान देखा था। आज कंपनी देश के 14 बड़े शहरों में 1 करोड़ स्क्वायर फीट से ज्यादा का ऑफिस स्पेस ऑपरेट कर रही है।

जानिए कैसे काम करती है स्मार्टवर्क्स

बता दें कि इसका बिजनेस मॉडल पूरी तरह लीजिंग पर आधारित है। यानी यह डेवलपर्स से कमर्शियल स्पेस लीज पर लेकर उन्हें मॉडर्न वर्कस्पेस में बदल देती है और कंपनियों को किराए पर देती है। यह ऑफिस न सिर्फ देखने में प्रीमियम होते हैं, बल्कि कर्मचारियों को पॉजिटिव एनवायरमेंट भी देते हैं। गूगल, परसिस्टेंट सिस्टम्स, ग्रो, मेक माय ट्रिप, एलएंडटी और ब्रिजस्टोन जैसी मजबूत कंपनियां इसके क्लाइंट हैं। इन कंपनियों की स्टेबल फाइनेंशियल स्थिति स्मार्टवर्क्स के लिए लो-रिस्क और हाई-वैल्यू बिजनेस सुनिश्चित करती है।

आईपीओ से पहले कंपनी की फाइनेंशियल ग्रोथ और आंकड़े

दरअसल स्मार्टवर्क्स ने बीते दो सालों में जबरदस्त ग्रोथ दिखाई है। वित्त वर्ष 2025 में कंपनी की ऑपरेशनल आय ?1,374 करोड़ रही, जो स्न्ङ्23 में ?711.4 करोड़ थी। यानी दो साल में आय लगभग दोगुनी हुई है। कंपनी की सालाना ग्रोथ रेट 38.98 प्रतिशत रही है, जो रियल एस्टेट सेक्टर में बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। इतना ही नहीं, एडजस्टेड ईबीआईटीडीए में भी जबरदस्त ग्रोथ देखने को मिली। वित्त वर्ष 2023 में जहां यह ?36.36 करोड़ था, वहीं 2025 में यह बढ़कर 172.23 करोड़ हो गया। यानी ईबीआईटीडीए ग्रोथ रेट 117.64 प्रतिशत रही है। वहीं कंपनी घाटा भी लगातार कम कर रही है। दरअसल एफवाय 23 में ?101 करोड़ के घाटे की तुलना में एफवाय 25 में यह सिर्फ 63 करोड़ रह गया है। ऑपरेशनल आय के प्रतिशत में देखें तो घाटा पहले 13.6 प्रतिशत था, जो अब घटकर 4.5 प्रतिशत रह गया है।

सोने की कीमत में लगातार गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीएक्स पर सोने की कीमत लगातार गिर रही है। अगस्त वायदा अनुबंधों में हाल ही में आई तेजी अब कम हो गई है। 16 जून को सोना 1,01,078 रुपये प्रति 10 ग्राम के शिखर पर था, लेकिन अब यह करीब 4000 रुपये तक गिर गया है। यानी इन 22 दिनों में इसमें करीब 4 फीसदी की गिरावट आ गई है। वहीं दूसरी ओर ज्वेलरी से जुड़ी कंपनियों के शेयर में भी गिरावट आई है।

मंगलवार को सोने की कीमत 98 रुपये की गिरावट के साथ 97,172 रुपये पर खुली। इसके बाद भी इसमें गिरावट आती गई। सुबह 10:30 बजे सोने की कीमत 97,049 रुपये थी। सोने की कीमत में गिरावट का कारण दुनिया भर में चल रहे व्यापारिक तनाव और संभावित नीतिगत बदलावों को माना जा रहा है।

ट्रंप के टैरिफ ने डराया!: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से कहा कि 1 अगस्त से उन देशों पर उच्च शुल्क लगेगा जिनके साथ कोई समझौता नहीं है। लेकिन ट्रेजरी सचिव बेसेंट ने कहा कि देशों को बातचीत के लिए तीन और सप्ताह मिल सकते हैं। इससे व्यापार जोखिम कम हो गया है और सोने की सुरक्षित ठिकाने के रूप में मांग भी कम हो गई है।

मेहता इक्विटीज के वीपी कमोडिटीज राहुल कलंत्री के मुताबिक अमेरिका में नौकरियों के अच्छे आंकड़ों ने जुलाई में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती की उम्मीद कम कर दी है। यानी अमेरिका में नौकरियां बढ़ रही हैं। इसलिए अब इस बात की उम्मीद कम है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को कम करेगा।

इससे सोने में निवेश करने का आकर्षण कम हो गया है।

शेयर में कितनी गिरावट: सोने-चांदी की ज्वेलरी का कारोबार करने वाली कंपनियों पीसी ज्वेलर्स और टाइटन कंपनी लिमिटेड के शेयर में भी गिरावट आ गई। मंगलवार की इन कंपनियों के शेयर 8 फीसदी से ज्यादा गिर गए।

पीसी ज्वेलर का शेयर सोमवार को 18.72 रुपये पर बंद हुआ था। मंगलवार को यह कुछ तेजी के साथ 18.79 रुपये पर खुला। लेकिन इसके बाद इसमें गिरावट आती गई। सुबह 10:30 बजे तक यह शेयर 8.70 फीसदी तक गिरकर 17.09 रुपये पर आ गया था। हालांकि इसके बाद गिरावट कुछ थमी, लेकिन बहुत ज्यादा तेजी नहीं आई।

मोबाइल पर बात करना और इंटरनेट चलाना होगा महंगा, कंपनियां 12 प्रतिशत तक बढ़ा सकती हैं बिल

नई दिल्ली, एजेंसी। मोबाइल पर बात करना या इंटरनेट का इस्तेमाल करना महंगा होने वाला है। साल के आखिर तक कंपनियां मोबाइल के बिल में करीब 10 से 12 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर सकती हैं। इसका असर खासकर उन ग्राहकों पर पड़ेगा जो मीडियम या महंगे प्लान लेते हैं।

इंडस्ट्री के अधिकारियों और एनालिस्ट्स का कहना है कि मई में एक्टिव सब्सक्राइबर में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। यह लगातार पांचवां महीना है जब नए यूजर जुड़े हैं। इससे टेलीकॉम कंपनियों की टैरिफ बढ़ाने की चाहत बढ़ गई है। हालांकि, उन्होंने सावधान किया है कि जब पिछली बार जुलाई 2024 में दाम बढ़े थे, तब बेस प्लान 11 से 23 फीसदी महंगे हुए थे। ऐसे में अगर और बढ़ोतरी होती है, तो ग्राहक छोड़कर जा सकते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि टैरिफ बढ़ोतरी में प्लान में मिलने वाला डेटा कम किया जा सकता है, जिससे लोग ज्यादा डेटा पैक खरीदें।

कितने बढ़े यूजर्स: मई में एक्टिव यूजर्स में 29 महीने का रेकॉर्ड उछाल आया। इस दौरान 74 लाख नए एक्टिव यूजर जुड़े। इससे कुल संख्या करीब 108 करोड़ हो गई। एक्सपर्ट्स का कहना है कि जुलाई 2024 में टेलीकॉम कंपनियों ने बेस प्लान 11 से 23 फीसदी बढ़ाए थे। इससे जुलाई से नवंबर के बीच 2.1 करोड़ यूजर्स कम हो गए थे, लेकिन अब स्थिति सुधर रही है।

मार्केट लीडर रिलायंस जियो इंफोकॉम ने मई में 55 लाख एक्टिव सब्सक्राइबर्स जोड़े हैं। इससे कंपनी के एक्टिव यूजर बेस में 150 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी हुई है और यह 53 प्रतिशत तक पहुंच गया है। भारती एयरटेल ने 13 लाख एक्टिव सब्सक्राइबर्स जोड़े हैं। अब कंपनी के पास 36 प्रतिशत एक्टिव सब्सक्राइबर्स हैं।

क्या कहना है एक्सपर्ट का: एनालिस्ट्स का कहना है कि बेस प्लान की कीमतें तेजी से बढ़ने की वजह से कम पैसा खर्च करने वाले ग्राहक पहले से ही काफी दबाव में हैं। एक टेलीकॉम इंडस्ट्री एनालिस्ट ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि ऐसी संभावना है कि टैरिफ 10-12 फीसदी तक बढ़ें। लेकिन आगे की बढ़ोतरी सभी तरह के ग्राहकों के लिए एक जैसी होने की उम्मीद कम है। खासकर मीडियम और महंगे प्लान लेने वाले ग्राहकों के लिए दाम बढ़ाना ज्यादा सही होगा।

दादा भक्तों के साथ दादाजी दरबार में सांसद बंटी साहू ने टेका माथा

13 दिवसीय पदयात्रा के अंतिम दिन परिवार सहित दादाजी दरबार खंडवा में पहुंचकर की जिलेवासियों के लिए खुशहाली की कामना

छिन्दवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू ने 13 दिवसीय 411 किलोमीटर की पदयात्रा को पूरी करते हुए मंगलवार को दादाजी धुनीवाले दरबार खंडवा में अपने दादा भक्त पदयात्रियों के साथ निशान अर्पित करते हुए माथा टेका और अपने परिवार में श्रीमती शालिनी साहू, वंश कृष्णा साहू सहित दादाजी धुनीवाले से अर्जी लगाते हुए जिलेवासियों के लिए सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

सांसद साहू और दादा भक्त पदयात्रियों के खंडवा पहुंचने पर खंडवा के कई सामाजिक और राजनितिक संगठनों ने सांसद बंटी विवेक साहू सहित सभी दादा भक्त पदयात्रियों सम्मान व स्वागत किया। पदयात्रा के अंतिम दिन पदयात्रा में खंडवा और छिन्दवाड़ा के कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और प्रमुखजन प्रमुख रूप से मौजूद रहे। सांसद श्री साहू और दादा भक्त पदयात्रियों ने मंगलवार की सुबह 5 बजे अमलपुरा से अपनी अंतिम दिन की पदयात्रा शुरू की।

अंतिम दिन की पदयात्रा में प्रमुख रूप से आध्यात्मिक गुरु विवेक जी ,खंडवा महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव, खंडवा विधायक कंचन मुकेश तनवे, खंडवा भाजपा ज़िलाध्यक्ष राज्यपाल तोमर ,खंडवा के पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सेवादास पटेल, पूर्व विधायक देवेन्द्र वर्मा, खंडवा की पटेल सेवा समिति अध्यक्ष मदन भाउ ठाकरे, छिन्दवाड़ा बड़ी माता ट्रस्ट से मुकुल सोनी, छिन्दवाड़ा व्यापारी प्रकोष्ठ के सहसंयोजक संजय जैन, वैश्य महासम्मेलन के संभागीय अध्यक्ष नीरज भारद्वाज सहित अन्य प्रमुखजन शामिल थे।

गुरुपूर्णिमा उत्सव भव्यता के साथ मानस भवन में आयोजित होगा

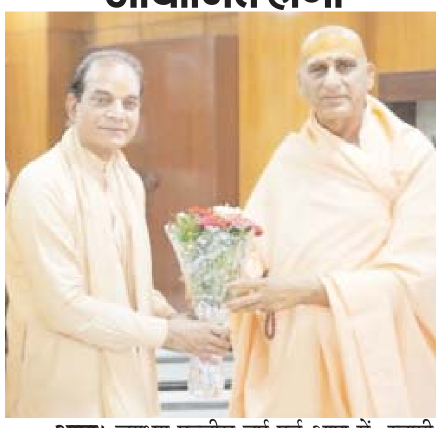

आष्टा। लगभग पच्चीस वर्ष पूर्व आष्टा में स्वामी अवधेशानंद जी महाराज के प्रथम नगर आगमन पर प्रभु प्रेमी संघ की स्थापना हुई और तब ही से गुरु पूर्णिमा, गुड़ी पड़वा , कार्तिक पूर्णिमा जैसे हिंदू धर्म के आयोजन सार्वजनिक समारोह के रूप में सम्पन्न होने प्रारंभ हुए, हिन्दू सनातन धर्म में गुरु की महत्ता को स्पष्ट करने हेतु गुरु पूर्णिमा का विशेष महत्व है इस वर्ष का यह आयोजन दिनांक 10 जुलाई दिन गुरुवार को सुबह 8 के बजे से सुबह 10 बजे तक मानस भवन के विशाल प्रांगण में प्रख्यात संगीत कार भजन गायक राम श्री वादी की टीम के साथ अपनी प्रस्तुति देंगे, गुरु तत्व की महिमा पर जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर के परम शिष्य पंडित वैभव भटेले भोपाल प्रवचन देंगे। प्रभु प्रेमी संघ आष्टा के अध्यक्ष सुरेश पालीवाल महासचिव प्रदीप प्रगति ने आग्रह किया है कि कार्यक्रम में समय पर पधारे।

जिलें में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

भारी बारिश से स्कूल हुए प्रभावित

छिदवाडा। जिले में लगातार हो रही बारिश से आम जनजीवन प्रभावित होने लगा है। निचले इलाकों में पानी भर जाने से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण जिले के कई नदी नाले उफान पर हैं जिससे जनजीवन अस्तित्व हो गया है, भारी बारिश के कारण दर्जनों गांव के जिला मुख्यालय से संपर्क टूट चुके हैं, भारी बारिश के कारण जिले के कई स्कूल बंद हैं , जिलें में नदी नाली उफान पर होने के कारण प्रशासन अलर्ट मोड में दिखाई दे रहा है। सभी नदी नाले पर पुलिस प्रशासन एवं ग्राम कोटवार की ड्यूटी लगाई गई है, जिला प्रशासन ने अपील किया है की नदी नाली तूफान पर होने पर नदी नाले पार ना करें, एहतियात के तौर जिलें के कई स्कूल बंद हो गए हैं. भारी बारिश के कारण जिले की अधिकांश नदी नाले तूफान पर है. मौसम विभाग ने आज छिदंवाडा में बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. पूर्वानुमान में अगले चार दिनों तक व्यापक बारिश की भी भविष्यवाणी की गई है।

नक्शा में त्रुटि सुधार कराने एवं कृषि भूमि के खसरा में नाम सुधारने मांग की

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 85 आवेदकों की समस्यायें

छिन्दवाड़ा। राज्य शासन के जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत प्रति सप्ताह मंगलवार को आम नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की जाती है और संबंधित विभाग के अधिकारियों से इन समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया जाता है । कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 85 आवेदकों की समस्यायें सुनी । इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये । जनसुनवाई में मुख्य रूप से जमीन का सीमांकन करने, पीएम जनमन आवास योजना का लाभ दिलाने, पीएम किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने, पात्रता पर्ची जारी करने, संबल योजना का लाभ दिलाने, भू-अधिकार पट्टा दिलाने, शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने व आर्थिक सहायता दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी।

कलेक्टर श्री सिंह ने विभिन्न आवेदनों में तत्काल प्रकरण नोट कराते हुए तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कई प्रकरणों को समय सीमा की बैठक में समीक्षा के लिए भी चिन्हांकित किया। जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्राम रावनवाड़ाखास के लालदास पाल ने विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्धद्घुमक्कड़ जाति प्रमाण पत्र बनवाने, चौरई के वार्ड नंबर-11 के मदनलाल अहरवार ने आवेदक के निजी स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि से अनावेदकगण का अवैध कब्जा हटाने, ग्राम अर्जुनवाड़ी की श्रीमती गरीबा सांगोले ने घर में लगी आग व कृषि सामान के जलने का मुआवजा दिलाने, अमरवाड़ा के ग्राम बन्धानी के घनश्याम ने वनभूमि का पट्टा दिलाने, ग्राम उमरेठ की श्रीमती कीर्ति चौरसिया ने आबादी भूमि का पट्टा प्रदाय करने, ग्राम गोनावाड़ी के नन्दकिशोर यदुवंशी ने दुर्घटना सहायता राशि दिलाने, चौरई के वार्ड नंबर-13 की श्रीमती मूलिया बाई ने आवास प्रमाण पत्र/पट्टा की दूसरी प्रति पदाय किये जाने, ग्राम उरधन की श्रीमती अनुसुईया बेलवंशी ने पुत्र को छात्रावास में प्रवेश दिलाने एवं छिंदवाड़ा नगर के वार्ड नंबर-16 के गोविन्दसिंग रघुवंशी ने खानदानी स्वयं की भूमि खसरा नंबर-248/1 का नक्शा में त्रुटि सुधार कराने, छिंदवाड़ा नगर के राजकुमार त्रिपाठी ने कृषि भूमि के खसरा में नाम सुधारने, नगर के रानीकोठी की श्रीमती ज्योति सारवान ने अनुकम्पा नियुक्ति दिलाने, नगर के नितेश शोमल ने राशन कार्ड बनाने, स्थायी जाति प्रमाण पत्र बनवाने आदि के आवेदन प्रस्तुत किये।

वरिष्ठ उपन्यासकार एवं कहानीकार गोबर्धन यादव राष्ट्रीय गोस्वामी तुलसीदास शिखर सम्मान से हुये सम्मानित

छिन्दवाड़ा। जिले के वरिष्ठ उपन्यासकार एवं कहानीकार गोबर्धन यादव गत 6 जुलाई को निर्दलीय प्रकाशन भोपाल के गोस्वामी तुलसीदास शिखर सम्मान से सम्मानित हुये। निर्दलीय प्रकाशन द्वारा अपने 52वें स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत आभासी अंतर्राष्ट्रीय साहित्य सम्मान के अलावा राष्ट्रीय शिखर सम्मान से 59 और विश्व साहित्य सम्मान से 52 साहित्यकार, शिक्षाविद और समाजसेवी सम्मानित हुये। जिले के वरिष्ठ उपन्यासकार एवं कहानीकार गोबर्धन यादव को इस सम्मान के अंतर्गत प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री यादव के रामकथा पर आधारित 4 खण्डों में उपन्यास प्रकाशित होने के साथ ही विभिन्न कहानी संग्रह और संस्मरण संग्रह प्रकाशित हुये है। इस उपलब्धि पर निर्दलीय प्रकाशन के संस्थापक व संपादक कैलाश श्रीवास्तव आदमी के साथ ही जिले के साहित्यकारों और परिजनों ने उन्हें बधाई और शुभकामनायें दी हैं ।

गुरु पूर्णिमा पर श्री शिर्डी सांई मंदिर में होगा भव्य आयोजन

छिंदवाड़ा। सच्चिदानंद सेवा समिति विवेकानंद कालोनी श्री शिर्डी सांई मंदिर द्वारा गुरूपूर्णिमा के पावन पर्व पर विभिन्न अनुष्ठान एवं कार्यक्रमों का आयोजन प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी किया गया है। सच्चिदानंद सेवा समिति के कार्यक्रम सचिव आनंद बक्षी ने बताया कि, 10 जुलाई दिन गुरुवार को शिर्डी सांई मंदिर विवेकानंद कालोनी में प्रातः 5.30 बजे काकड आरती, प्रातः 6.30 बजे वैदिक मंत्रोच्चार से बाबा का अभिषेक प्रकाश सांइखेडकर एवं श्रुति सांइखेडकर के शुभहस्ते संपन्न होगा। दोपहर 12.00 बजे मध्यान्ह आरती के उपरांत गुरूपूर्णिमा के पावन पर्व पर मंदिर में संपूर्ण दिवस प्रसाद वितरण किया जायेगा। शाम 7.00 बजे धूप आरती तथा नाम स्मरण एवं विविध आयोजन संपन्न होंगे। रात्रि 10.00 बजे शेज आरती के साथ गुरुपूर्णिमा का पर्व पूर्णतः को प्राप्त होगा ।सच्चिदानंद सेवा समिति के एस.वी. पुराणिक, जयन्त बक्षी, अवधूत मोहगावकर , देवराव उपासे ,वीरेन्द्र तिवारी, नौखेलाल चौरासिया, मनोज वाघमारे, नीरज डोले, शिव माटे , धर्मेन्द्र भार्गव, वीरेन्द्र अलदक ,व्ही एस. राजपूत,बी. आर.झरबड़े ने उपस्थित होकर पुण्य लाभ लेने का अनुरोध किया है।

सफाई अपनाओ , बीमारी भगाओ अभियान प्रारंभ

छिंदवाड़ा। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा द्वारा पूरे उत्साह के साथ किया गया है। यह अभियान 1 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक चलेगा, जिसमें शहरी क्षेत्रों में नागरिकों की भागीदारी के साथ विशेष जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। स्वच्छ स्कूल- विभिन्न स्कूलों में छात्रों को स्वच्छता से जोड़ते हुए गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस सप्ताह 5 स्कूलों के 800 से अधिक बच्चों ने रैली, चित्रकला, शपथ एवं हैंडवॉश डेमो में भाग लिया, स्वच्छ घर- वार्ड-वार डोर-टू-डोर जागरूकता अभियान में स्वच्छता दूतों ने करीब 670 घरों तक जाकर सूखा-गीला कचरा पृथक्करण, चार डस्टबिन प्रणाली, और प्लास्टिक प्रतिबंध की जानकारी दी। स्वच्छ मोहल्ला कॉलोनियों, और मोहल्ला समितियों के साथ बैठकों में 15 से अधिक सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। 4. स्वच्छ शौचालय- नगर निगम ने इस सप्ताह 15 सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालयों की गहन सफाई की, हैंडवॉश सुविधाओं की जाँच कर उन्हें क्रियाशील किया।

गांव से लेकर शहर तक गलियों से लेकर रोड हाईवे की हालत खराब

आष्टा। ग्राम पंचायत लसुड़लिया विजय सिंह का मेन रोड गांव से लेकर शमशान घाट तक गड्ढे और तालाबों में तब्दील हो गया ना तो सरपंच ध्यान दे रहे हैं और ना कोई जनप्रतिनिधि जनपद जिला पंचायत विधायक तक आम जनता अपनी मांग रख चुकी है लेकिन अपनी कुर्सी के मदहोशी मैं इतना कितने व्यस्त है कि जनता की पुकार नहीं पहुंची जन प्रतिनिधियों के द्वारा आम जनता की परेशानी कितनी बढ़ गई की घर से निकलते ही अपने कपड़े चढ़ाकर निकलने को मजबूर जनता तो अपने दिन जैसे तैसे निकाल लेगी लेकिन जब चुनाव आएंगे तब यही जनप्रतिनिधि वोट मांगने आएंगे तो जनता क्या जवाब देगी यह तो समय ही बताएगा।

सावन माह में बनाए जाएंगे 1 लाख 51 हजार शिवलिंग

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश संत पुजारी संघ जिला अध्यक्ष पंडित सुनील तिवारी के द्वारा लगातार 3 वर्षों से श्री शिव महापुराण का आयोजन किया जा रहा है एवं शिवलिंग निर्माण किया जा रहा है इस वर्ष भी एक लाख 51000 मिट्टी के शिवलिंग बनाए जाएंगे सावन माह में भगवान शिव अति प्रसन्न होते हैं कथा स्थल राजपूत भवन पूजा लाज के पास सिद्धिविनायक ज्योतिष के सामने 25 जुलाई से 31 जुलाई तक होगा।

छिन्दवाड़ा में बीबीए व बीसीए पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रारंभ

छिन्दवाड़ा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय पीजी कॉलेज छिन्दवाड़ा के प्राचार्य ने बताया कि प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिन्दवाड़ा में सत्र 2025-26 के लिए छिन्दवाड़ा में बीबीए व बीसीए पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रारंभ हो चुके है। प्रवेश के लिये एम.पी. ऑनलाईन, डी.टी.ई. (डीटीई डायरेक्टरेट ऑफ टेक्नीकल ऐज्युकेशन) पोर्टल पर विद्यार्थी पंजीयन कर सकते है। प्रवेश संबंधी मार्गदर्शन के लिये महाविद्यालय में सम्पर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है।

विद्युत उपभोक्ता समस्या निवारण शिविर में 174 शिकायतों का मौके पर निराकरण

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के छिंदवाड़ा/पांढुर्णा जिले में कंपनी के छिंदवाड़ा वृत्त कार्यालय, संचारण/संधारण के 8 संभागों जिनमें शहर संभाग छिंदवाड़ा, पूर्व संभाग छिंदवाड़ा, अमरवाड़ा, चौरई, सौंसर, पांढुर्णा, जुन्नारदेव व परासिया और इनके अंतर्गत आने वाले सभी वितरण केंद्रों में विद्युत उपभोक्ता समस्या निवारण शिविर संपन्न हुये। इन शिविरों में 174 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से सभी 174 शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के अधीक्षण अभियंता श्री खुशियाल शिववंशी ने बताया कि शिविर/जनसुनवाई में विद्युत प्रदाय संबंधी 96, बिल संबंधी 29, बंद/खराब मीटर संबंधी 32, नवीन कनेक्शन संबंधी 05 और अन्य प्रकार की 12 शिकायतें प्राप्त हुई। इस प्रकार कुल 174 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 174 शिकायतों का मौके पर ही तत्काल निराकरण किया गया। उन्होंने बताया कि विद्युत प्रदाय संधी 96, बिल संबंधी 29 बंद/खराब मीटर संबंधी 32, नवीन कनेक्शन संबंधी 05 और अन्य श्रेणी की 12 शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया गया। उन्होंने सभी विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि विद्युत संबंधी शिकायतों के निवारण के लिये प्रति मंगलवार वृत्त के विभिन्न संभागों और वितरण केन्द्र कार्यालयों में आयोजित विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर/जनसुनवाई का लाभ अवश्य लेवें।

अवैध देसी शराब जब्त

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत ग्राम उमरिया बाकी का निवासी स्वरूप नामक युवक के पास से अवैध देसी महुआ की शराब सहायक उप निरीक्षक धर्मराज वाघमारे ने शराब जब्त किया वही ग्राम महलोंन निवासी वीरेश के पास से अवैध देशी शराब जप्त कर आबकारी अधिनियम में प्रकरण प्रकरण पंजीवध देकर विवेचना में लिया।

चमत्कारी श्री हनुमान मंदिर जाम सांवली में...

गुरुपूर्णिमा उत्सव की तैयारियों को लेकर कार्ययोजना तैयार की

जामसांवली/ सौसर। चमत्कारी श्री हनुमान मंदिर संस्थान (हनुमान लोक), जाम सांवली में आगामी गुरुपूर्णिमा उत्सव (10 जुलाई) की तैयारियों को लेकर आज संस्थान कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। गुरुपूर्णिमा पर्व जामसांवली धाम के लिए अत्यंत विशेष महत्व रखता है, क्योंकि क्षेत्रवासी यहां विराजमान हनुमानजी को अपना गुरु मानकर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।इस वर्ष गुरुपूर्णिमा उत्सव के दौरान जामसांवली धाम हनुमान लोक में लगभग 50 हजार से 1 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, ट्रस्ट ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है।

गुरुपूर्णिमा का विशेष महत्व

जाम सांवली के हनुमान मंदिर में गुरुपूर्णिमा की परंपरा वर्षों पुरानी है। यहां भक्तजन हनुमानजी को ही अपना आध्यात्मिक गुरु मानते हैं और उनसे सुख-समृद्धि व मार्गदर्शन का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। यह पावन अवसर भक्तों को अपने आराध्य और गुरु के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर देता है।

व्यापक व्यवस्थाओं की तैयारी

बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी पहलुओं पर गहन चर्चा हुई। ट्रस्ट के पदाधिकारियों और सदस्यों ने दर्शन कतार प्रबंधन, गर्भगृह व्यवस्था, श्री मूर्ति पूजा की सुचारु प्रक्रिया, संपूर्ण परिसर की स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था, पर्याप्त पेयजल आपूर्ति और व्यवस्थित पार्किंग सहित अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। इन सभी जिम्मेदारियों को ट्रस्टियों के बीच प्रभावी ढंग से वितरित किया गया है, ताकि आयोजन में कोई कमी न रहे।

प्रशासनिक सहयोग प्रशासनिक स्तर पर भी पूरी तैयारी है। कलेक्टर अजय देव शर्मा , पुलिस अधीक्षक सुंदर सिंह कनेश, और अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तथा प्रशासक न्यास सिद्धार्थ पटेल जी व्यक्तिगत रूप से समस्त व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे और आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे।

इस महत्वपूर्ण बैठक में संस्थान के संरक्षक दादाराव बोबडे , अध्यक्ष गोपाल शर्मा , उपाध्यक्ष संतोष डवरे, सचिव टीकाराम कारोकर, एड. एम.एन. खंडाईत जी, संदीप मोहोड़, संजू डवरे, मनोहर शेलकी, शिशिर खंडार, अजय धवले, पांडुरंग बोबडे, नितिन मोहगावकर, वसंतराव येलमुले, वसंतराव शेलकी, मोहन ताजने, नीलेश जुननकर, भीमराव वाकोडे, सुशील माहेश्वरी, भास्कर गुडधे, राजू बाविस्टाले, महादेव मते, और भगवंता कारोकर सहित सभी ट्रस्टीगण उपस्थित थे। संस्थान के अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे व्यवस्थाओं में सहयोग करें, शांति और अनुशासन बनाए रखें, और गुरुपूर्णिमा के इस पवित्र पर्व को भक्तिमय तथा सुचारु वातावरण में संपन्न कराने में सहयोग प्रदान करेंगे।

छात्रावासों में सीट वृद्धि कर छात्राओं की सम्पूर्ण सुविधाएं मुहैया कराने की मांग

कांग्रेस सेवादल ने सौंपा ज्ञापन

छिन्दवाड़ा। कांग्रेस सेवादल ने आदिम जाति कल्याण विभाग सहायक आयुक्त के नाम ज्ञापन प्रस्तुत किया। कांग्रेस सेवादल ने प्रस्तुत ज्ञापन में उल्लेख किया कि वर्तमान में छिन्दवाड़ा जिले में स्थित छात्रावासों में सीट की संख्या कम पड़ रही है। जिसके कारण गरीब आदिवासी छात्र-छात्रावासों में महंगे किराए से मकान लेकर रहने को मजबूर है। उनकी सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह बना रहता है जिसके कारण वे मन लगाकर पढ़ाई नहीं कर पाते।

कांग्रेस सेवादल ने ज्ञापन प्रस्तुत कर छात्रावासों में सीट वृद्धि कर छात्र-छात्राओं की सम्पूर्ण सुविधाएं मुहैया कराने की मांग की। ज्ञापन प्रस्तुत करते समय कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष सुरेश कपाले, रमेश बेले, शेषराव उइके, राकेश मरकाम, विजयी डेहरिया, मनोज मर्सकोले ऋषि उइके विक्की डेहरिया सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

छिन्दवाड़ा ग्रामीण भाग एक व दो की बैठक...

क्षेत्र में कांग्रेस की गतिविधियों पर हुई गहन चर्चा

बूथ स्तर के अधिकारियों की तैनाती पर वरिष्ठजनों ने किया मार्गदर्शन

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार कांग्रेस बूथ स्तर के पदाधिकारी की तैनाती पर विशेष जोर दे रही है। ताकि मतदाता सूची में किसी प्रकार की गड़बड़ी ना हो सके। नेताद्वय की मंशानुसार स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन में छिन्दवाड़ा ग्रामीण भाग एक व भाग दो की आवश्यक बैठक सम्पन्न हुई। आयोजित बैठक में कांग्रेस की गतिविधियों के साथ ही बीएलए बूथ स्तर के पदाधिकारी बनाए जाने पर चर्चा की गई।राजीव कांग्रेस भवन में सम्पन्न हुई बैठक में छिन्दवाड़ा ग्रामीण भाग एक व भाग दो के क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय संयोजकों की उपस्थिति में कांग्रेस के मतदाता सूची प्रभारी श्री राजकुमार मिश्रा ने सर्वप्रथम बूथ स्तर के पदाधिकारी (बीएलए) की नियुक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी जिसे भी दी जाए वह गम्भीरता से फार्म भरें। आज दिनांक से विधानसभा व लोकसभा चुनाव सम्पन्न होने तक बूथ स्तर के पदाधिकारी की सम्पूर्ण चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने फार्म आईडी बीएलए दो भरने के साथ ही एक अन्य फार्म जिसमें नए मतदाताओं के नाम जोड़ने व मृत मतदाताओं के नाम काटे जाने की प्रक्रिया से अवगत कराया साथ ही सभी फार्म को भरने की जानकारी भी दी। इस दौरान उपस्थित कांग्रेस के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के फार्म भरे जाने से सम्बंधित सवालों का जवाब भी मतदाता सूची के प्रभारी श्री मिश्रा के द्वारा दिए गए।आयोजित बैठक को जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे ने सम्बोधित करते हुए छिन्दवाड़ा ग्रामीण भाग एक व भाग दो में कांग्रेस की गतिविधियों पर चर्चा करते हुए कहा कि क्षेत्र में कांग्रेस के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की सक्रियता नितांत आवश्यक है। क्षेत्र की समस्याओं को गम्भीरता से उठाने व सुलझाने के प्रयास सतत करें।

पांढुर्ना जिला प्रभारी श्री गंगाप्रसाद तिवारी ने आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए मतदाताओं के नाम जोड़ने व काटने की प्रक्रिया पर विशेष जोर देते हुए कहा कि यह कार्य पूरी लगन व गम्भीरता के साथ करें, ताकि मतदाता सूची में होने वाली गड़बड़ी को रोका जा सके। छिन्दवाड़ा विधानसभा प्रभारी गोविंद राय ने बूथ स्तर के पदाधिकारी की नियुक्ति को लेकर कहा कि दिए जाने वाले फार्मों को समय सीमा के भीतर भरकर जमा करें ताकि उन्हें समय पर यथास्थान पर जमा किया जा सके।

आयोजित बैठक में पर्यवेक्षक मनीष पांडे, विधायक प्रतिनिधि संतोष रघुवंशी, अधिवक्ता सुबोध गोराई, ब्लॉक अध्यक्ष अजय पटेल, जीवन सिंग पटेल, कुलदीप पटेल, मनोज वानखेड़े, धनीराम वानखेड़े, प्रशांत रघुवंशी, सेवकराम वर्मा, संदीप सोनी, संतोष पाटस्कर, नारायण पटेल, सुधीर पटेल, नरेन्द्र पटेल, दिनेश साहू, यश कराड़े, दीपक साहू, संतोष कराड़े, अर्जुन चन्द्रवंशी, नन्हें चन्द्रवंशी, उम्मेद सिंह, शरद गोलू पटेल कुनास राम करपे अरुण डेहरिया सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

जिले में शासकीय संस्थाओं के निरीक्षण हेतु अधिकारियों की लगी डिवटी

सांध्य प्रकाश, इटारसी- नर्मदापुरम जिले में संचालित शासकीय प्राथमिक माध्यमिक शाला हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी शालाओं के निरीक्षण एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षकों की उपस्थिति ,शिक्षा की गुणवत्ता ,शिक्षकों की अध्यापन गुणवत्ता जैसी अन्य बिंदुओं के निरीक्षण के लिए कलेक्टर सोनिया मीना ने जिला अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। अतिरिक्त कलेक्टर द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आंगनबाड़ी केंद्र एवं शासकीय उचित मूल्य की राशन दुकानों के साप्ताहिक निरीक्षण के लिए भी अधिकारियों को शासकीय संस्थान निर्धारित किए है।

कलेक्टर ने निर्देश में विकासखंड नर्मदापुरम की शास. उमावि एसपीएम नर्मदापुरम के निरीक्षण के लिए जिला आपूर्ति नियंत्रक खाद्य अधिकारी नर्मदापुरम की ड्यूटी लगाई गई है। इसी प्रकार शास. प्राथ. शाला मेहराघाट के लिए जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम, हाई स्कूल खरखेड़ी के लिए सहायक जिला आबकारी अधिकारी राहुल कुमार ढोके, शासकीय उमावि उत्कृष्ट विद्यालय नर्मदा पुरम के लिए उपसंचालक पशु चिकित्सा विभाग, शासकीय प्रा.शा. रायपुर के लिए सहायक संचालक रेशम विभाग रविंद्र सिंह, शा. उमावि. रंढाल के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नर्मदा पुरम, शासकीय हाई स्कूल रसूलिया के लिए जिला आयुष अधिकारी डॉ विमल गढ़वाल, माध्यमिक शाला पलासी के लिए सहायक संचालक नगर एवं ग्राम निवेश, माध्यमिक शाला जासलपुर के लिए प्रभारी सहायक संचालक मत्स्य विभाग वीरेंद्र चौहान, शास. उमावि बांद्राभान के लिए ओपन जी के सहकारी समिति शिवम मिश्रा, शासकीय माध्यमिक शाला आईटीआई के लिए वाणिज्य कर अधिकारी नर्मदा पुरम, शास. माध्यमिक शाला ग्वालटोली के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी नर्मदा पुरम श्रीमती हेमेश्वरी पटले, शास.माध्यमिक शाला स्टेशन गंज इटारसी के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी इटारसी सुश्री रितु मेहरा, शास. प्राथमिक शाला में बोर्ड नर्मदा पुरम के लिए परियोजना अधिकारी योगेंद्र राय, शासकीय माध्यमिक शाला रायपुर के लिए परियोजना अधिकारी श्री शैलेश उईके, शास. हाई स्कूल रैसलपुर के लिए परियोजना अधिकारी मनरेगा अभिषेक तिवारी, शास. प्राथ.शाला कोठी बाजार के लिए जिला समन्वयक एसबीएम सुश्री प्रीति बरकड़े, शास. प्राथ./मा शाला पवारखेड़ा के लिए प्रभारी अधिकारी श्रीमती कंचन कुंभारे, शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला मालाखेड़ी के लिए जिला समन्वयक सोशल ऑडिट राजेश ठाकुर, शास. मा.शाला मेहराघाट के लिए सहायक संचालक शिक्षा विभाग नर्मदा पुरम , शासकीय मा. शा ब्यावरा के लिए उप संचालक उद्यानकी श्रीमती रीता उईके, शासकीय प्रा0शा रेवागंज के लिए उपसंचालक कृषि जे आर हेडाऊ, शासकीय एकीकृत उमावि डोलरिया के लिए सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक की ड्यूटी लगाई गई है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा, वीडी शर्मा के शामिल होने की अटकलें

नई दिल्ली। पार्लियामेंट का मानसून सत्र 21 जुलाई से प्रारंभ हो रहा है। इससे पहले देश की राजधानी में भारतीय जनता पार्टी में दो महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर गरम चर्चाएं चल रही है। राजनीतिक सूत्रों की खबरों पर अगर भरोसा किया जाए तो मानसून सत्र के पहले भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का नाम फाइनल हो सकता है। इसी के साथ केंद्रीय मंत्रिमंडल के विस्तार की चर्चा भी है। दिल्ली से मीडियावाला कॉमेडी जानकारी के अनुसार मोदी कैबिनेट का शीघ्र ही विस्तार हो सकता है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इसी महीने 21 तारीख से होने वाले पार्लियामेंट के मानसून सेशन के पहले यह विस्तार हो सकता है। बड़ा प्रश्न यह है कि इसमें कौन शामिल किया जाएगा और किसे ड्रॉप किया जाएगा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तीन-चार मंत्री ड्रॉप किए जा सकते हैं। मध्य प्रदेश से वीडी शर्मा का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है जो अभी तक भाजपा मध्य प्रदेश के अध्यक्ष थे। इसके अलावा मनोज सिन्हा, विप्लव दास और उपेंद्र कुशवाहा के नाम भी सरकुलेशन में है। बिहार चुनाव को देखते हुए उपेंद्र कुशवाहा को शामिल करने की बात कही जा रही है।

'उलटा पानी' के चमत्कार से अभिभूत

छत्तीसगढ़ में प्रकृति का अनोखा नजारा: शिवराज

रायपुर। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मैनपाट के प्रसिद्ध 'उलटा पानी' स्थल का भ्रमण कर प्रकृति के इस चमत्कार को नजदीक से अनुभव किया। भाजपा के सांसद-विधायक प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेने मैनपाट पहुंचे चौहान ने कागज की नाव तैराकर और पुलिस अधीक्षक की गाड़ी में बैठकर इस अनोखे दृश्य का आनंद लिया। उन्होंने कहा, जीवन में पहली बार देखा कि पानी नीचे से ऊपर की ओर बह रहा है। यह प्रकृति का अद्भुत चमत्कार है। मीडिया से चौहान ने छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है, और उल्टा पानी इसका एक अनोखा उदाहरण है। इसके वैज्ञानिक कारणों की जांच जरूरी है, लेकिन यह निश्चित रूप से एक चमत्कार है। इस स्थल को विशेष रूप से विकसित और प्रचारित करने की जरूरत है ताकि पर्यटक इसे अपनी आंखों से देख सकें। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार के पर्यटन विकास के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

लखपति दीदी अभियान को मिलेगा बल

उलटा पानी स्थल पर चौहान ने स्वसहायता समूह की महिलाओं से मुलाकात की और उनकी मेहनत को सराहा। उन्होंने कहा, महिलाएं कठिन परिश्रम से आजीविका कमा रही हैं। हम 'लखपति दीदी' अभियान को और तेज करेंगे ताकि कोई आंसू न बहाए और किसी को हाथ न फैलाना पड़े। महतारी वंदन योजना के साथ-साथ यह अभियान भी छत्तीसगढ़ में महिलाओं को सशक्त बनाएगा।

मोर आवास, मोर अधिकार

गरीबों को मिलेंगे और मकान- 'मोर आवास, मोर अधिकार' योजना पर चर्चा करते हुए चौहान ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने 2018 की सूची में शामिल सभी पात्र लोगों को मकान उपलब्ध करा दिए हैं। उन्होंने आगे कहा, आने वाले समय में नए सर्वे के आधार पर और पात्र लोगों को मकान दिए जाएंगे। छत्तीसगढ़ के गरीब भाई-बहनों को आवास की कमी नहीं होगी।

उन्नत खेती के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण

कृषि मंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारी पर चौहान ने कहा कि छत्तीसगढ़ में उन्नत खेती की असीम संभावनाएं हैं। हम वैज्ञानिकों की टीम के साथ मिलकर फसलों की पैदावार बढ़ाने और उपयोगी फसलों की पहचान करेंगे। मैदानी इलाकों की तुलना में यहां पैदावार कम है, इसे बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाएंगे।

प्रशिक्षण शिविर: सांसद-विधायकों की दक्षता बढ़ेगी

मैनपाट में आयोजित भाजपा प्रशिक्षण शिविर के महत्व को रेखांकित करते हुए चौहान ने कहा, भाजपा कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के लिए नियमित प्रशिक्षण आयोजित करती है। इस शिविर में सांसदों और विधायकों को आचरण, व्यवहार, और क्षेत्र में बेहतर कार्य करने की ट्रेनिंग दी जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार और वैचारिक-व्यावहारिक दक्षता पर फोकस किया जा रहा है, जिसका लाभ जनप्रतिनिधियों को मिलेगा।

भाजपा अध्यक्ष चयन को लेकर संघ-भाजपा में नहीं बन रही बात दौड़ में खट्टर सबसे आगे

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन को लेकर पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के बीच रस्साकशी लगातार गहराती जा रही है। जेपी नड्डा का कार्यकाल लोकसभा चुनाव के कारण जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था, लेकिन अब तक नए अध्यक्ष के नाम पर सहमति नहीं बन सकी है। इसी मुद्दे पर 4-6 जुलाई को दिल्ली में संघ की प्रांत प्रचारकों की अहम बैठक हुई, जिसमें मोहन भागवत समेत संघ के शीर्ष नेता शामिल हुए, लेकिन औपचारिक तौर पर अध्यक्ष के नाम पर कोई फैसला नहीं हो सका। संघ चाहता है कि नया अध्यक्ष संगठन को मजबूत करने वाला, 60 साल से कम उम्र का और विवादों से दूर हो, जबकि पार्टी नेतृत्व कई नामों पर विचार कर रहा है।

संघ की पसंद और मापदंड

संघ ने अपनी पसंद और मानदंड पहले ही पार्टी आलाकमा को बता दिए हैं। संघ की मंशा है कि नया अध्यक्ष ऐसा हो, जिसकी संगठन पर मजबूत पकड़ हो, कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद रखता हो और चुनावी रणनीति में दक्ष हो। माना जा रहा है कि नए अध्यक्ष के चयन के बाद संगठन में 50त्न तक महासचिव और टीम बदलने की संभावना है, जिससे पार्टी में नई ऊर्जा और संतुलन लाया जा सके। भाजपा ने देश के 26 राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर चुनावी प्रक्रिया तेज कर दी है, लेकिन उत्तर प्रदेश और गुजरात जैसे बड़े राज्यों में अध्यक्ष की नियुक्ति अभी बाकी है।

खट्टर दौड़ में आगे ही आगे

सूत्रों के मुताबिक, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का नाम नए भाजपा अध्यक्ष की दौड़ में सबसे आगे है। खट्टर को संघ और पार्टी दोनों में अनुशासित और अनुभवी संगठनकर्ता माना जाता है। उनका आरएसएस से लंबा जुड़ाव और प्रशासनिक अनुभव उनकी दावेदारी को मजबूत करता है। इसके अतिरिक्त धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव, शिवराज सिंह चौहान और निर्मला सीतारमण जैसे नाम भी चर्चा में हैं। पार्टी नेतृत्व युवा चेहरों को भी अहम जिम्मेदारी देने के मूड में है, ताकि संगठन में ताजगी और संतुलन बना रहे।

संघ की भूमिका

भाजपा अध्यक्ष का चुनाव पार्टी की राष्ट्रीय परिषद करती है और आमतौर पर यह चयन निर्विरोध ही होता है। संघ की भूमिका निर्णायक जरूर है, लेकिन वह हमेशा पर्दे के पीछे मार्गदर्शक की तरह रहता है और अंतिम फैसला पार्टी नेतृत्व के हाथ में होता है। इस बार संघ और भाजपा के बीच नामों को लेकर आम राय नहीं बन पा रही है, जिससे प्रक्रिया में देरी हो रही है।

राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएं

राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएं भी तेज हो गई हैं। कांग्रेस ने अध्यक्ष चयन में देरी को भाजपा का नेतृत्व संकट बताया है और कहा है कि इससे पार्टी में आंतरिक असंतोष झलकता है। महागठबंधन (आरजेडी, जेडीयू) का आरोप है कि भाजपा अब पूरी तरह संघ के इशारे पर चल रही है और पार्टी की स्वतंत्रता खत्म हो गई है। वहीं भाजपा प्रवक्ता इसे सामान्य संगठनात्मक प्रक्रिया बता रहे हैं और भरोसा दिला रहे हैं कि जल्द ही नया अध्यक्ष घोषित कर दिया जाएगा। संघ ने भी साफ किया है कि दोनों संगठन स्वतंत्र हैं, बस प्रक्रिया में समय लग रहा है। अब सबकी नजरें प्रधानमंत्री मोदी के विदेश दौरे से लौटने के बाद, 10 से 19 जुलाई के बीच संभावित घोषणा पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि नए अध्यक्ष के साथ पार्टी में बड़े संगठनात्मक बदलाव और युवा चेहरों को मौका मिल सकता है, जिससे भाजपा आगामी चुनावों के लिए खुद को और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ेगी।

ट्रेड यूनियनों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का भोपाल में भी दिखा असर

रेलवे स्टेशन की वीआईपी साइडिंग पर वाहन खड़ा किया

ट्रेन मैनेजर पर न्यायालय ने लगाया दो हजार रुपए का दंड

भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्रतिबंधित क्षेत्र गाड़ी चलाने के मामले सामने आ रहे हैं। रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर एक रेलकर्मी वीआईपी एरिया में कार लेकर घुस गया। उसने बीना एंड पर बने वीआईपी

रास्ते का इस्तेमाल कर कार सीधे इंजीनियरिंग साइडिंग प्लेटफॉर्म पर पार्क कर दी। घटना रविवार रात की है। मंगलवार को इसका वीडियो सामने आया है। अब स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल द्वारा की गई कार्रवाई के तहत एक रेलकर्मी द्वारा रेलवे नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी कदम उठाए गए हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए रेल अधिनियम की धारा 159, 145 तथा 147 के अंतर्गत रेसुब पोस्ट भोपाल पर अपराध के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। उसी दिन आरोपी ट्रेन मैनेजर को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां न्यायालय ने दोषी पाए जाने पर 2000 का आर्थिक दंड आरोपित किया।

अनुशासनहीनता की श्रेणी- रेलवे अधिकारियों के अनुसार जांच में यह स्पष्ट हुआ कि यह वाहन जितेश कुमार यादव, ट्रेन मैनेजर मुख्यालय भोपाल द्वारा गार्ड लॉबी से वाहन मोड़ते समय वीआईपी रैंप की दिशा में लाकर वहां खड़ा किया गया था। यह कृत्य रेलवे परिसर में अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए उसी दिन आरोपी ट्रेन मैनेजर को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां न्यायालय ने दोषी पाए जाने पर 2000 का आर्थिक दंड आरोपित किया।

रेलवे परिसर की गरिमा एवं सुरक्षा को सर्वोपरि- सौरभ कटारिया ने बताया कि रेलवे अधिकारियों का कहना है कि पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल रेलवे परिसर की गरिमा एवं सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए इस प्रकार के मामलों में शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाए हुए है। यह कार्रवाई एक स्पष्ट संदेश देती है कि रेलवे परिसर में नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध कठोर कदम उठाए जाएंगे।

एक दिन में मिला 50 लाख का हीरा जमा, 2 लोगों ने किया दावा

पन्ना। रत्नगर्भा नाम से प्रसिद्ध हीरा नगरी पन्ना में 11.95 कैरेट का एक बेशकीमती हीरा मिलने का मामला सामने आया है। जहां इस हीरे की अनुमानित कीमत तकरीबन 50 लाख रुपए और उसके ऊपर बताई जा रही है। पन्ना हीरा कार्यालय में यह हीरा माधव आदिवासी के नाम से जमा किया गया है। इस मामले में विवाद तब खड़ा हो गया, जब दो अलग-अलग व्यक्तियों ने हीरे पर अपना-अपना दावा पेश करने लगे। इसमें निसार खान और एक अन्य व्यक्ति ने इस पर आपत्ति जताई है। वहीं अब अधिकारियों ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है। मामले में पुष्पेंद्र तिवारी का कहना है कि यह हीरा हीरापुर की उथली खदान में मिला था। उन्होंने बताया कि जुलाई 2024 में उन्होंने निसार खान और श्रीपाल जैन के साथ मिलकर हीरापुर में खनन का काम शुरू किया था। जहां तीनों की पार्टनरी में पुष्पेंद्र की 70 प्रतिशत, निसार की 20 प्रतिशत और श्रीपाल की 10 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। बता दें कि माधव आदिवासी उर्फ रामसिंह उनके लिए मजदूरों से काम करवाता था। कुछ दिनों बाद वह काम से गायब हो गया। 8 जुलाई को उसने अचानक यह हीरा जमा करवा दिया।

पातालपानी-कालाकुंड ट्रैक पर कल से फिर चलेगी हेरिटेज ट्रेन

इंदौर। मानसून की शुरुआत के साथ ही एक बार फिर इंदौर के पातालपानी से कालाकुंड तक का मनमोहक सफर शुरू होने जा रहा है। इस खूबसूरत घाट सेक्शन पर चलने वाली हेरिटेज ट्रेन का संचालन 10 जुलाई से शुरू किए जाने की तैयारी है। वेस्टर्न रेलवे हेड क्वार्टर ने इसको लेकर आंतरिक निर्देश जारी करते हुए संबंधित विभागों से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि हर साल मानसून के दौरान पातालपानी-कालाकुंड सेक्शन पर बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। हरियाली, झरने और घाटी का नजारा देखने के लिए इस मार्ग की

लोकप्रियता लगातार बढ़ी है। यही कारण है कि पर्यटन सीजन की शुरुआत होते ही हेरिटेज ट्रेन संचालन की योजना बनाई गई है। रेलवे द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि संबंधित विभाग समय रहते सभी सुरक्षा और संचालन से जुड़ी तैयारियां पूर्ण करें, ताकि निर्धारित तिथि से ट्रेन का संचालन सुचारू रूप से शुरू हो सके। आदेश में 10 जुलाई को ट्रेन शुरू करने की अनुमानित तारीख बताया गया है।

ये खासियत है हेरिटेज ट्रेन की- यह ट्रेन मीटर गेज ट्रैक पर चलती है और पातालपानी से कालाकुंड के बीच करीब 9 किलोमीटर का सफर तय करती है। मार्ग में कई खूबसूरत पुल, सुरंगें और गहरी घाटियां आती हैं, जो यात्रियों को प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव देती हैं। हेरिटेज ट्रेन खासकर वीकेंड्स और छुट्टियों में बड़ी संख्या में यात्रियों को आकर्षित करती है। इस ट्रेन में सामान्य कोच के साथ ही विस्टाडोम कोच खास आकर्षण होता है।

प्रदेश में आज 35 जिलों में अति भारी बारिश का अलर्ट

- प्रदेश में अब तक 14 इंच हुई बारिश

भोपाल। मध्य प्रदेश में स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव होने की वजह से लगातार तेज बारिश का दौर चल रहा है। लगातार हो रही बारिश से प्रदेश की स्थिति बिगड़ गई है। कई क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। प्रदेश में अब तक औसत 14 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 74त्न ज्यादा है। बुधवार को प्रदेश के 35 जिलों में अति भारी या भारी बारिश का अलर्ट है। पूर्वी हिस्से के जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में असर ज्यादा रहेगा। मौसम विभाग ने बुधवार को विदिशा, रायसेन, सागर, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां अगले 24 घंटे में 8 इंच तक पानी गिरने की संभावना है। वहीं, भोपाल, सीहोर, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, जबलपुर, कटनी, डिंडौरी, अनूपपुर, उमरिया, मैहर, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में भारी बारिश हो सकती है। इंदौर, उज्जैन, धार, बड़वानी, श्योपुर, हरदा समेत अन्य जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है।

कई जिलों में बारिश बनी मुसीबत- तेज बारिश से प्रदेश के मंडला, नरसिंहपुर समेत कई जिलों में बाढ़ के हालात हैं। नर्मदा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इससे कई रास्ते बंद हैं। नरसिंहपुर के कई गांव पानी में आधे डूब गए। मंगलवार को टीकमगढ़ जिले में धसान नदी पर बने बान सुजारा बांध के 5 गेट और खोल दिए गए। दमोह में सतधरू और साजली बांध के तीन-तीन गेट और बैतूल जिले के सारणी में सतपुड़ा डैम के 7 गेट खोल दिए गए। नरसिंहपुर के कौड़ियां गांव में बाढ़ आ गई। कई घर आधे डूब गए। नर्मदापुरम में तेज बारिश की वजह से स्कूलों की छुट्टी कर दी गई। वहीं, मंडला में नर्मदा नदी खतरे के निशान के ऊपर बही। मंडला में ही उफनती नदी पार करने के

दौरान 3 बाइक सवार बह गए। दो बच गए, लेकिन तीसरा लापता है। धार में खेतों में पानी भरने से फसलें खराब हो रही है।

9 घंटे में 5 इंच बारिश हुई- मंगलवार को नर्मदापुरम के पचमढ़ी में 9 घंटे में 5 इंच से ज्यादा पानी गिर गया। वहीं, नर्मदापुरम में सवा इंच, बैतूल, बालाघाट के मलाजखंड में 1 इंच, श्योपुर,छिंदवाड़ा-दमोह में पौन इंच पानी गिरा। भोपाल, मंडला, नरसिंहपुर, हरदा, दमोह, धार, रायसेन, टीकमगढ़, सीहोर, देवास, शाजापुर, आगर-मालवा, इंदौर, सिवनी, जबलपुर, सागर समेत कई जिलों में बारिश का दौर चलता रहा।

ऐसा रहेगा प्रदेश का मौसम

9 जुलाई: विदिशा, रायसेन, सागर, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, सिवनी, मंडला और बालाघाट। अगले 24 घंटे में 8 इंच तक पानी गिरने की संभावना है।भोपाल, सीहोर, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, जबलपुर, कटनी, डिंडौरी, अनूपपुर, उमरिया, मैहर, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में भारी बारिश हो सकती है। इंदौर, उज्जैन, धार, बड़वानी, श्योपुर, हरदा समेत अन्य जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है।

10 जुलाई: रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, जबलपुर, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी, दमोह और छतरपुर में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। भोपाल, ग्वालियर, राजगढ़, देवास, हरदा, सीहोर, विदिशा, सागर, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, टीकमगढ़, पन्ना, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में भारी बारिश हो सकती है। इंदौर, उज्जैन, खंडवा, बुरहानपुर, बड़वानी, धार, रतलाम, नीमच, मंदसौर समेत अन्य जिलों में बारिश का दौर बना रहेगा।